

करेंट अफेयर्स

झारखण्ड

(संग्रह)



सितंबर

2025

Drishti, 641, First Floor,
Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry: +91-87501-87501
Email: care@groupdrishti.in

अनुक्रम

झारखण्ड	4
● मिथिला सांस्कृतिक परिषद	4
● करमा उत्सव	5
● झारखंड में पैक्स का डिजिटलीकरण	6
● म्यूनिसिपल बॉण्ड	7
● प्रतिबिंब ऐप	9
● ट्रांसजेंडर सहायता इकाई का गठन	9
● परमवीर अब्दुल हमीद का 60वाँ शहीद दिवस	12
● झारखंड में बायोगैस संयंत्र	13
● राँची में IBM क्षेत्रीय कार्यालय का उद्घाटन	13
● झारखंड में पोषण माह अभियान	14
● विश्व रेबीज दिवस	15
राष्ट्रीय करेंट अफेयर्स	17
● उर्जित पटेल IMF में कार्यकारी निदेशक नियुक्त	17
● डायमंड लीग 2025	18
● रेमन मैग्सेसे पुरस्कार 2025	18
● युद्ध अभ्यास 2025	20
● आदि वाणी	20
● NCERT का 65वाँ स्थापना दिवस	21
● इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक का 8वाँ स्थापना दिवस	22
● भारती पहल	23

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



नोट :

वैश्विक शांति सूचकांक (GPI)	24
आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय	25
यूएस ओपन 2025	27
अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस 2025	28
ब्लड मून	29
विश्व ड्यूशन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी दिवस	31
ज्ञान भारतम पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	31
IIM अहमदाबाद ने पहला विदेशी कैंपस खोला	32
विनोबा भावे जयंती	33
ग्रीन हाइड्रोजन अनुसंधान एवं विकास सम्मेलन	35
विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2025	37
महिला हॉकी एशिया कप 2025	38
राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन- रबी अभियान 2025	39
31वाँ विश्व ओजोन दिवस	40
वैशाली रमेशबाबू ने FIDE महिला ग्रैंड स्विस् जीता	41
स्पीड स्केटिंग विश्व चैंपियनशिप में भारत का पहला स्वर्ण पदक	43
विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025	44
सरदार वल्लभभाई पटेल का AI संचालित होलोबॉक्स	44
भारत-AI इंपैक्ट समिट 2026	46
मोहनलाल को दादा साहब फाल्के पुरस्कार	47
अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस 2025	48
विश्व खाद्य भारत 2025	49
विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप (WPAC) 2025	50
छठा नदी उत्सव	51
भगत सिंह की जयंती	52
भारत ने एशिया कप जीता	54
शिरीष चंद्र मुर्मू नियुक्त हुए RBI के डिप्टी गवर्नर	55

दृष्टि आईएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



नोट :

झारखण्ड

मिथिला सांस्कृतिक परिषद

चर्चा में क्यों ?

जमशेदपुर में स्थित **मिथिला सांस्कृतिक परिषद** (मिथिला संस्कृति परिषद), **मैथिली सलाहकार बोर्ड** के तहत **साहित्य अकादमी** से संबद्ध होने वाला झारखंड का पहला संस्थान बन गया है।

- ❖ इस परिषद से अपेक्षा की जाती है कि यह राष्ट्रीय साहित्यिक प्रयासों के साथ समन्वय करते हुए क्षेत्र में **मैथिली भाषा एवं साहित्य** के संवर्द्धन, संरक्षण तथा समृद्धि में योगदान देगा।
- ❖ साहित्य अकादमी ने सलाहकार बोर्ड की सिफारिशों के आधार पर **पंजाबी, ओडिया, तमिल, अंग्रेजी और हिंदी** से 22 पुस्तकों का मैथिली में अनुवाद करने की भी स्वीकृति दी है।

मुख्य बिंदु

❖ मैथिली सलाहकार बोर्ड के बारे में:

- साहित्य अकादमी का मैथिली सलाहकार बोर्ड एक **समर्पित पैनल** है, जो प्रमुख भारतीय भाषाओं को समर्थन देने हेतु अकादमी के प्रयासों के तहत मैथिली साहित्य की देखरेख और प्रचार-प्रसार करता है।
- **साहित्य अकादमी** भारत की राष्ट्रीय साहित्य अकादमी है, जो 24 मान्यता प्राप्त भाषाओं को सहयोग प्रदान करती है और प्रत्येक भाषा के लिये पृथक सलाहकार बोर्ड गठित करती है।
- बोर्ड में प्रतिष्ठित मैथिली **लेखक, आलोचक और विद्वान** शामिल होते हैं, जो प्रकाशन हेतु पुस्तकों की अनुशंसा करते हैं, संगोष्ठियों का आयोजन करते हैं तथा मैथिली में साहित्यिक गतिविधियों को दिशा प्रदान करते हैं।
- बोर्ड का **कार्यकाल सामान्यतः पाँच वर्षों का होता है** और इसके सदस्य मैथिली साहित्य जगत में महत्वपूर्ण योगदान के आधार पर नामित किये जाते हैं।
- यह बोर्ड मैथिली भाषा के लिये **साहित्य अकादमी पुरस्कार** हेतु नामांकन में भी भूमिका निभाता है और भाषायी तथा साहित्यिक प्राथमिकताएँ निर्धारित करने में योगदान देता है।

मैथिली भाषा

- ❖ मैथिली बिहार में बोली जाने वाली एक भाषा है, जो **इंडो-आर्यन शाखा** के पूर्वी उप-समूह से संबंधित है। **भोजपुरी** और **मगधी** इस भाषा से निकटता से संबंधित हैं।
- ❖ माना जाता है कि इस भाषा का विकास **मगध प्राकृत** से हुआ है।
- **मध्यकाल** में यह संपूर्ण पूर्वी भारत की **साहित्यिक भाषा** थी।
- ❖ इसे 14वीं शताब्दी में कवि विद्यापति ने लोकप्रिय बनाया और साहित्य में इसकी महत्ता को सुदृढ़ किया।
- ❖ मैथिली भाषा को वर्ष **2003 में संवैधानिक दर्जा** दिया गया और यह **संविधान की 8वीं अनुसूची** में उल्लिखित **22 भाषाओं** में से एक बन गई।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



करमा उत्सव

चर्चा में क्यों ?

झारखंड के **मुख्यमंत्री** ने राँची में आयोजित **करमा उत्सव** समारोह में भाग लिया।

मुख्य बिंदु

करमा (करम) उत्सव के बारे में:

❖ भौगोलिक और सामुदायिक पहुँच:

- यह एक फसल उत्सव है, जो झारखंड, पश्चिम बंगाल, बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, असम और ओडिशा राज्यों में **जनजातीय समुदायों** द्वारा मनाया जाता है।
- यह **मुंडा, हो, ओरांव, बैगा, खड़िया और संथाल जनजातियों** के बीच विशेष रूप से लोकप्रिय है।

❖ समय और तिथि:

- पारंपरिक रूप से यह उत्सव **भाद्रपद/भादो (अगस्त-सितंबर)** मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि (**ग्यारहवें दिन**) को मनाया जाता है।

❖ मुख्य प्रतीक और देवता:

- इस उत्सव का नाम **करम वृक्ष** के नाम पर रखा गया है। इस वृक्ष को पारंपरिक रूप से **करम देवता या करमसनी**, जो शक्ति, यौवन और जीवनशक्ति के देवता माने जाते हैं, के प्रतीक के रूप में देखा जाता है।

❖ अनुष्ठान और औपचारिक प्रथाएँ:

- **तैयारी:** उत्सव से लगभग एक सप्ताह पूर्व युवतियाँ नदी से स्वच्छ रेत लाकर उसमें सात प्रकार के अनाज बोती हैं।
- **मुख्य समारोह:** उत्सव के दिन करम वृक्ष की एक शाखा **आँगन** या 'अखरा' में लगाई जाती है।
- **पूजा:** श्रद्धालु **जवा (गुड़हल)** के फूल अर्पित करते हैं और '**पाहन**' (**जनजातीय पुजारी**) करम राजा या करम देवता की पूजा करते हैं।
- **उत्सव:** पूजा के बाद पारंपरिक करम गीतों के साथ सामूहिक नृत्य और गायन होता है।
- **समापन:** करम शाखा को नदी या तालाब में विसर्जित करने के साथ इस उत्सव का समापन होता है तथा **जवा** को श्रद्धालुओं के बीच वितरित किया जाता है।

❖ कृषि संबंधी महत्त्व:

- इस उत्सव की उत्पत्ति **जनजातीय समुदायों** द्वारा कृषि की शुरुआत से जुड़ी हुई है।
- **उरांव/कुरुख समुदाय** ने कृषि चक्र के अनुरूप सांस्कृतिक परंपराओं को संयोजित करते हुए करमा उत्सव को धान/अनाज का उत्सव रूप में मनाना आरंभ किया।
- उत्सव के बाद प्रायः खेतों में साल या भेलुआ के पेड़ों की शाखाएँ लगाई जाती हैं, इस विश्वास के साथ कि **करम देवता** उनकी फसलों की रक्षा करेंगे।

दृष्टि आईएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



- चिरचिट्टी (भूसा फूल) और सिंदवार (पवित्र वृक्ष) के तने धान के खेतों में लगाए जाते हैं, जो प्राकृतिक कीटनाशक के रूप में कार्य करते हैं।
- अनुष्ठान के दौरान पाहन (पुजारी) अच्छी फसल के लिये प्रार्थना करता है।

झारखंड में पैक्स का डिजिटलीकरण

चर्चा में क्यों ?

राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) ने घोषणा की है कि डिजिटलीकरण अभियान के दूसरे चरण के अंतर्गत वह झारखंड की 1,297 प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (PACS) का कंप्यूटरीकरण करेगा।

मुख्य बिंदु

पृष्ठभूमि

- सहकारिता मंत्रालय की केंद्र-प्रायोजित डिजिटलीकरण परियोजना ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (PACS) को आर्थिक तथा सामाजिक गतिविधियों के केंद्र में परिवर्तित करने हेतु कार्य कर रही है।
- राज्य में कुल 4,454 PACS हैं, जो ग्रामीण समुदायों की सेवा करने वाली प्राथमिक स्तर की सहकारी ऋण संस्थाओं के रूप में कार्य करती हैं।
- परियोजना के प्रथम चरण में नाबार्ड ने 1,500 PACS का सफलतापूर्वक डिजिटलीकरण किया है।

कंप्यूटरीकृत PACS की विशेषताएँ:

- आधुनिक PACS को हार्डवेयर और विशेष सॉफ्टवेयर दोनों से सुसज्जित किया जा रहा है, जिससे राष्ट्रीय ग्रिड के साथ एकीकरण सुनिश्चित होगा।
- इससे वे विभिन्न प्रकार की सेवाएँ प्रदान करने में सक्षम होंगे, जिनमें शामिल हैं:
 - ❑ प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (PMFBY) तथा प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण जैसी सरकारी योजनाओं का कार्यान्वयन।
 - ❑ उर्वरक और बीज जैसे कृषि आदानों का वितरण।
 - ❑ जन औषधि केंद्र, पेट्रोल एवं गैस डीलरशिप तथा ग्राहक सेवा केंद्रों का संचालन।
 - ❑ कृषि उपज के भंडारण हेतु ग्रामीण गोदामों की स्थापना।

नाबार्ड की भूमिका:

- नाबार्ड ने ग्रामीण अवसंरचना विकास कोष (RIDF) के अंतर्गत 100 करोड़ रुपये का कोष स्थापित किया है, जिसका उपयोग भंडारण सुविधाओं और संबंधित बुनियादी ढाँचे के निर्माण में किया जाएगा।
- PACS कंप्यूटरीकरण की नोडल एजेंसी के रूप में नाबार्ड निम्न दायित्व भी निभा रहा है—
 - ❑ नए डिजिटल सिस्टम के उपयोग में कर्मचारियों को प्रशिक्षण देना।
 - ❑ निरंतर तकनीकी सहायता प्रदान करना।
 - ❑ बुनियादी ढाँचे के विकास को सुविधाजनक बनाना।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्स



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



नोट:

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड)

- नाबार्ड एक **विकास बैंक** है जो प्राथमिक तौर पर देश के ग्रामीण क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करता है। यह कृषि और ग्रामीण विकास हेतु वित्तपोषण प्रदान करने वाला **शीर्ष बैंकिंग संस्थान** है।
- नाबार्ड एक **वैधानिक निकाय** है, जिसे **राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक अधिनियम, 1981** के अंतर्गत वर्ष **1982** में स्थापित किया गया।
- इसका **मुख्यालय मुंबई** (देश की वित्तीय राजधानी) में स्थित है।
- कृषि के अतिरिक्त, नाबार्ड **लघु उद्योगों, कुटीर उद्योगों** तथा **ग्रामीण परियोजनाओं** के विकास के लिये भी उत्तरदायी है।

प्राथमिक कृषि ऋण समितियाँ (PACS)

- ये मूलतः **ऋण समितियाँ** हैं, जो संबंधित राज्य के **सहकारी समिति अधिनियम** के तहत पंजीकृत हैं।
- PACS प्राथमिक स्तर की सहकारी ऋण संस्थाएँ हैं, जो किसानों को **सुलभ ऋण, बैंकिंग सेवाएँ और कृषि सहायता** प्रदान करती हैं।
- ये **ज़िला केंद्रीय सहकारी बैंकों (DCCB)** और **राज्य सहकारी बैंकों (SSB)** के साथ भारत की त्रि-स्तरीय सहकारी ऋण संरचना का आधार बनाती हैं।
- 1.08 लाख PACS में से लगभग 63,000 कंप्यूटरीकरण के उन्नत चरण में हैं तथा सरकार का लक्ष्य उनमें से **80,000 को पूर्णतः डिजिटल बनाना** है।

म्यूनिसिपल बॉण्ड

चर्चा में क्यों ?

राँची नगर निगम (RMC) को **अटल मिशन फॉर रिजुवनेशन एंड अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन (AMRUT) 2.0** योजना के अंतर्गत **म्यूनिसिपल बॉण्ड** जारी कर वित्तीय संसाधन **जुटाने** की स्वीकृति प्रदान की गई है।

मुख्य बिंदु

- शहरी विकास एवं आवास विभाग (SUDA)** के संयुक्त सचिव-सह-उप निदेशक ने **राँची नगर निगम (RMC)** को नगर निगम **बॉण्ड** बाज़ार तक पहुँच बनाने हेतु नए कदम उठाने का निर्देश दिया है, जिसके तहत निगम को निम्नलिखित कार्य करने होंगे:
 - वित्तीय वर्ष 2024-25 तक **लेखापरीक्षित वार्षिक लेखा** तैयार करना।
 - कम-से-कम **125 करोड़ रुपये** मूल्य की एक **बैंक योग्य परियोजना** की पहचान करना।
 - प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने हेतु एक **लेनदेन सलाहकार फर्म** और एक **क्रेडिट रेटिंग एजेंसी** दोनों की नियुक्ति करना।
 - PMU (राजस्व वृद्धि)** टीम इस पहल के दौरान RMC को तकनीकी और प्रक्रियात्मक सहायता प्रदान करेगी।
- पूर्व प्रयास:**
 - RMC ने इससे पहले वर्ष 2016-17 में **अमृत योजना** के तहत **बॉण्ड** जारी करने का प्रयास किया था।
 - झारखंड के **शहरी स्थानीय निकायों (ULB)** के लिये एक **क्रेडिट रेटिंग अभ्यास** आयोजित किया गया, जिसमें **राँची नगर निगम** को **BBB रेटिंग** प्राप्त हुई।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



नोट :

- हालाँकि एक लेनदेन सलाहकार नियुक्त किया गया था, लेकिन उस समय बैंक योग्य परियोजना की कमी के कारण बॉण्ड जारी नहीं किये जा सके।

म्यूनिसिपल बॉण्ड

- परिभाषा:** ये शहरी स्थानीय निकायों (ULB) द्वारा **बुनियादी ढाँचा** और विकास परियोजनाओं को वित्तपोषित करने हेतु जारी किये गए ऋण साधन हैं।
- लाभ:** सरकारी निधियों पर निर्भरता कम करना, वित्तीय स्वायत्तता बढ़ाना, निजी निवेश आकर्षित करना तथा दीर्घकालिक शहरी वित्तपोषण को सक्षम बनाना।
- चुनौतियाँ:** राज्य अनुदान पर अत्यधिक निर्भरता के कारण कम निर्गम। केवल कुछ शहरों जैसे पुणे, अहमदाबाद, सूरत, हैदराबाद और लखनऊ ने ही बॉण्ड जारी किये हैं।
- वित्तपोषण:** केंद्र सरकार भारत में शहरी स्थानीय निकायों (ULB) को **म्यूनिसिपल बॉण्ड** के माध्यम से संसाधन जुटाने के लिये सक्रिय रूप से प्रोत्साहित कर रही है, जो **बुनियादी ढाँचे के वित्तपोषण के लिये विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त साधन** है।
- अमृत 2.0** के अंतर्गत ऐसे बॉण्ड जारी करने वाली नगरपालिकाओं के लिये प्रोत्साहन के रूप में **520 करोड़ रुपये** का प्रावधान किया गया है।
- प्रोत्साहन संरचना:** योजना के प्रोत्साहन ढाँचे का उद्देश्य नगर पालिकाओं को धन एकत्र करने के लिये प्रेरित करना है, साथ ही टिकाऊ परियोजनाओं में निवेश को प्राथमिकता देना है, जैसा कि दिशानिर्देशों में उल्लिखित है:
 - पहली बार जारी किये जाने वाले ऋण:** प्रति 100 करोड़ रुपये पर **13 करोड़ रुपये** तक का प्रोत्साहन, अधिकतम **26 करोड़ रुपये**, प्रदान किया जाएगा।
 - आगामी निर्गम:** प्रति 100 करोड़ रुपये पर **10 करोड़ रुपये** का प्रोत्साहन दिया जाएगा।
 - हरित परियोजनाएँ:** नवीकरणीय ऊर्जा या ऊर्जा दक्षता के लिये समर्पित **बॉण्डों** के लिये, प्रति 100 करोड़ रुपये पर अतिरिक्त **5 करोड़ रुपये** प्रदान किये जाएंगे।

अमृत योजना

- परिचय:**
 - यह योजना **25 जून, 2015** को देश के **500 चयनित शहरों** में शुरू की गई थी, जो लगभग 60% शहरी जनसंख्या को कवर करते हैं।
 - यह योजना इन शहरों में बुनियादी अवसंरचना को सुदृढ़ करने और शहरी सुधारों को लागू करने पर केंद्रित है, जिसमें **जल आपूर्ति, सीवरेज, ड्रेनेज, हरित क्षेत्र**, गैर-मोटर चालित परिवहन और क्षमता निर्माण शामिल हैं।
- अमृत 2.0 योजना:**
 - यह योजना **1 अक्टूबर, 2021** को शुरू की गई थी, जिसमें 5 वर्षों की अवधि के लिये, अर्थात् वित्तीय वर्ष 2021-22 से 2025-26 तक, **अमृत 1.0** को शामिल किया गया था।
 - इसका उद्देश्य देश के 500 शहरों से लगभग 4,900 संविधिक कस्बों तक **जलापूर्ति** का सार्वभौमिक कवरेज तथा अमृत योजना के प्रथम चरण में शामिल 500 शहरों में **सीवरेज/सेप्टेज प्रबंधन** का कवरेज सुनिश्चित करना है।
 - अमृत 2.0** का उद्देश्य उपचारित सीवेज के **पुनर्चक्रण/पुनः उपयोग**, जल निकायों के **पुनरुद्धार** और **जल संरक्षण** द्वारा नगर जल संतुलन योजना (CWB) के विकास के माध्यम से **जल की चक्रीय अर्थव्यवस्था** को बढ़ावा देना है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



प्रतिबिंब ऐप

चर्चा में क्यों ?

झारखंड के DGP अनुराग गुप्ता की पहल पर विकसित झारखंड पुलिस का प्रतिबिंब ऐप देश में साइबर अपराधियों से निपटने के लिये देश में एक सशक्त साधन बन गया है।

❖ हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय पुलिस अकादमी में आयोजित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के दौरान झारखंड सहित सभी IPS अधिकारियों को साइबर अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु प्रतिबिंब ऐप के प्रयोग का प्रशिक्षण दिया गया।

मुख्य बिंदु

❖ ऐप के बारे में:

- प्रतिबिंब ऐप एक विशेष GIS-आधारित सॉफ्टवेयर उपकरण है, जिसे अपराध अन्वेषण विभाग (CID) ने भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (I4C) और गृह मंत्रालय के सहयोग से विकसित किया है।
- इसका उद्देश्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों को साइबर अपराधियों का पता लगाने, उनका मानचित्रण करने तथा धोखाधड़ी और अन्य डिजिटल अपराधों में संलिप्त अपराधियों को गिरफ्तार करने में सहायता करना है।
 - ❖ इस ऐप को नवंबर 2023 में झारखंड के राँची में संयुक्त साइबर अपराध समन्वय टीमों (JCCT)-II की पहली क्षेत्रीय बैठक के दौरान लॉन्च किया गया।
- यह “समन्वय” प्लेटफॉर्म के माध्यम से कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच डेटा साझाकरण और विश्लेषण की सुविधा प्रदान करता है।

❖ विशेषताएँ:

- वास्तविक समय अपराधिक मानचित्रण: प्रतिबिंब साइबर अपराधों से जुड़े मोबाइल नंबरों को GIS मानचित्र पर प्रदर्शित करता है, जिससे झारखंड और भारत में उनके भौगोलिक स्थानों का पता चलता है।
- डाटाबेस एकीकरण: यह अपराधियों द्वारा उपयोग किये जाने वाले सिम कार्ड, मोबाइल फोन और धोखाधड़ी वाले खातों के डेटा को संकलित तथा विश्लेषण करता है, जिससे पुलिस को अपराधियों का शीघ्र पता लगाने में सहायता मिलती है।
- हेल्पलाइन एकीकरण: यह ऐप राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन (1930) से एकीकृत है, जिससे जनता को धोखाधड़ी की रिपोर्ट करने में मदद मिलती है और अधिकारियों को शीघ्रता से प्रतिक्रिया देने में सहायता मिलती है।
- शैक्षणिक सहयोग: झारखंड पुलिस ने उन्नत प्रौद्योगिकी, प्रबंधन और ज्ञान समर्थन के लिये प्रमुख संस्थानों (IIM राँची, BIT-मेसरा, XLRI जमशेदपुर, NIT जमशेदपुर) के साथ साझेदारी की है।

ट्रांसजेंडर सहायता इकाई का गठन

चर्चा में क्यों ?

झारखंड सरकार ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के समक्ष आने वाली समस्याओं और चुनौतियों के समाधान हेतु एक विशेष सहायता इकाई स्थापित करेगी।

❖ यह निर्णय मुख्य सचिव की अध्यक्षता में आयोजित झारखंड ट्रांसजेंडर कल्याण बोर्ड की बैठक में लिया गया।

दृष्टि आईएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



मुख्य बिंदु

❖ विशेष सहायता इकाई के बारे में:

- यह इकाई ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को पहचान प्राप्त करने, आरक्षण का लाभ उठाने तथा विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं तक पहुँच बनाने में मदद करेगी।
- यह पहल ट्रांसजेंडर समुदाय के **सामाजिक-आर्थिक विकास** और गरिमा को बढ़ावा देने के लिये राज्य सरकार के व्यापक प्रयासों का हिस्सा है।
- बोर्ड के अंतर्गत गठित **ट्रांसजेंडर सहायता इकाई** संबंधित मुद्दों पर विचार करेगी, समाधान प्रस्तावित करेगी तथा व्यापक सिफारिशें करेगी।

❖ जिला-स्तरीय समितियाँ:

- प्रत्येक जिले में उपायुक्त की अध्यक्षता में समिति गठित की जाएगी।
- ये समितियाँ स्थानीय स्तर पर ट्रांसजेंडर व्यक्तियों की पहचान करेंगी और उन्हें आवश्यक सहयोग सुनिश्चित करेंगी।

❖ वर्तमान जनसंख्या:

- **2011 की जनगणना** के अनुसार देश में 4,87,803 ट्रांसजेंडर व्यक्ति पंजीकृत हैं, जिनमें से 13,463 झारखंड में रहते हैं।

❖ राज्यव्यापी सर्वेक्षण:

- राज्यव्यापी सर्वेक्षण में ट्रांसजेंडर व्यक्तियों की स्थिति का आकलन कर, जिलावार जनसंख्या की पहचान की जाएगी तथा उनकी आवश्यकताओं का दस्तावेजीकरण किया जाएगा।
- इससे सरकार को संसाधनों का कुशलतापूर्वक आवंटन करने, कल्याणकारी योजनाओं को लागू करने तथा मुख्यधारा के समाज में समावेश को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी।

❖ चुनौतियाँ:

- कई ट्रांसजेंडर व्यक्ति अपनी पहचान बताने में हिचकिचाते हैं, जिससे उन्हें पहचान-पत्र, **आरक्षण**, **पेंशन योजना**, **आयुष्मान कार्ड**, गरिमा गृह और भेदभाव के विरुद्ध सुरक्षा प्राप्त करने में बाधा आती है।

नोट: बोकारो में, उपायुक्त ने ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को पहचान-पत्र प्रदान करने के लिये एक पहल शुरू की, जिससे “किन्नर” शब्द से हटकर उन्हें एक अलग पहचान प्रदान की जा सके।

ट्रांसजेंडर

- ❖ **ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2019** के अनुसार, ट्रांसजेंडर अथवा उभयलिंगी व्यक्ति वह होता है, जिसकी लैंगिक पहचान जन्म के समय निर्धारित लिंग से सुमेलित नहीं होती है।
- ❖ जनसंख्या: वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, इनकी जनसंख्या लगभग 4.8 मिलियन है। इसमें इंटरसेक्स भिन्नता वाले ट्रांस-व्यक्ति, जेंडर-क्वीर और सामाजिक-सांस्कृतिक अस्मिता वाले व्यक्ति जैसे किन्नर, हिजड़ा, आरावानी तथा जोगता शामिल हैं।
- ❖ **LGBTQIA+ का हिस्सा:** ट्रांसजेंडर व्यक्ति **LGBTQIA+** समुदाय का हिस्सा हैं, जिन्हें संक्षिप्त नाम में “T” द्वारा दर्शाया गया है।
 - **LGBTQIA+** एक संक्षिप्ति (शब्दों के प्रथम अक्षरों से बना शब्द) है जो लेस्बियन, गे, बाइसेक्सुअल, ट्रांसजेंडर, क्वीर, इंटरसेक्स और एसेक्सुअल का प्रतिनिधित्व करता है।
 - “+” उन अनेक अन्य अस्मिताओं को दर्शाता है जिनकी पहचान प्रक्रिया और अवबोधन वर्तमान में जारी है।
 - इस संक्षिप्ति में निरंतर परिवर्तन जारी है और इसमें नॉन-बाइनरी तथा पैन्सेक्सुअल जैसे अन्य पद भी शामिल किये जा सकते हैं।

दृष्टि आईएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्स



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



- ♦ **ट्रांसजेंडर कल्याण बोर्ड:** भारत में ट्रांसजेंडर कल्याण बोर्डों की स्थापना ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2019 तथा उससे संबंधित ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) नियम, 2020 के प्रावधानों के तहत की जाती है।
- इन बोर्डों का उद्देश्य ट्रांसजेंडर समुदाय के अधिकारों की रक्षा करना, उनके लिये कल्याणकारी नीतियाँ और योजनाएँ बनाना तथा सामाजिक-आर्थिक समावेशन को बढ़ावा देना है।

LGBTQ+

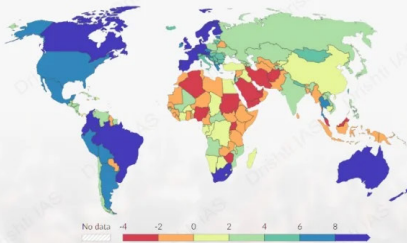
LGBTQ+ लोगों की एक व्यापक श्रेणी को संदर्भित करता है, जिसमें वे लोग शामिल हैं, जिन्हें लेस्बियन, गे, बाइसेक्सुअल, ट्रांसजेंडर, इंटरसेक्स और वरीर के रूप में जाना जाता है। प्रयुक्त शब्दावली में ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सामाजिक संदर्भों के आधार पर व्यापक रूप से भिन्नता है।

LGBTQ+ के खिलाफ भेदभाव

- लैंगिक अभिव्यक्तियों के आधार पर
- लैंगिक पहचान के आधार पर
- लैंगिक अभिव्यक्ति के आधार पर
- लैंगिक विशेषताओं के आधार पर

LGBTQ+ अधिकारों की वैश्विक स्थिति

- सूचकांक मापता है कि LGBTQ+ और नॉन-बाइनरी व्यक्तियों को किस हद तक विषमलैंगिक व सिजेंडर लोगों के समान अधिकार प्राप्त हैं। यह समलैंगिक संबंधों और विवाह की वैधता जैसी 18 अलग-अलग नीतियों पर विचार करता है। सूचकांक में उच्च मान का अर्थ है अधिक अधिकार, जबकि नकारात्मक मान प्रतिगामी नीतियों का सूचक है।



SINCE 1982...



TODAY...



- प्राइड मंथ: जून
- 11 अक्तूबर: नेशनल कर्मिग आउट डे

भारत में LGBTQ+ अधिकारों का इतिहास

- 1992: समलैंगिक व्यक्तियों के अधिकारों की मांग को लेकर पहली बार विरोध प्रदर्शन
- 1994: एक NGO ने IPC की धारा 377 की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी जिसे वर्ष 2001 में खारिज कर दिया गया
- 1999: भारत की पहली प्राइड पेरड (दक्षिण एशिया की भी पहली)
- 2009: नाज़ फाउंडेशन बनाम NCT दिल्ली सरकार मामला (दिल्ली उच्च न्यायालय में) - सहमति से वयस्कों के बीच समलैंगिक यौन संबंध को अपराध मानना निजता के मौलिक अधिकार का घोर उल्लंघन है
- 2013: सुरेश कुमार कौशल बनाम नाज़ फाउंडेशन - सर्वोच्च न्यायालय ने दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले को पलट दिया
- 2015: समलैंगिकता को अपराध की श्रेणी से बाहर करने की मांग वाला एक निजी विधेयक लोकसभा में प्रस्तुत किया गया
- 2017: न्यायमूर्ति के.एस. पुट्टास्वामी बनाम भारत संघ - सर्वोच्च न्यायालय ने निजता को मौलिक अधिकार बताया
- 2018: नवतेज सिंह जौहर बनाम भारत संघ - सर्वोच्च न्यायालय ने धारा 377 को असंवैधानिक करार दिया
- 2019: ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम - ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के अधिकारों की सुरक्षा और उनके कल्याण का प्रावधान

समलैंगिक विवाह की वर्तमान स्थिति

- 2023: सुप्रियो बनाम भारत संघ - सर्वोच्च न्यायालय ने समलैंगिक विवाह को कानूनी दर्जा देने से इनकार कर दिया साथ ही समलैंगिक विवाह को मौलिक अधिकार मानने से इनकार कर दिया।



दृष्टि आईएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्स



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



परमवीर अब्दुल हमीद का 60वाँ शहीद दिवस

चर्चा में क्यों ?

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पुनर्स्थापित **परमवीर अब्दुल हमीद** स्मारक स्थल का उद्घाटन किया और उनके 60वें शहीद दिवस के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्य बिंदु

♦ अब्दुल हमीद के बारे में:



- अब्दुल हमीद का जन्म 1 जुलाई, 1933 को धामपुर, गाजीपुर जिला, संयुक्त प्रांत, **ब्रिटिश भारत** में हुआ था।
- उन्होंने भारतीय सेना की **चौथी ग्रेनेडियर्स बटालियन** के साथ सेवा की, वर्ष 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में असल उताड़ के युद्ध के दौरान शहीद हो गए।

♦ असल उताड़ का युद्ध:

- यह वर्ष **1965 के युद्ध** के दौरान लड़ा गया सबसे बड़ा टैंक युद्ध था। इसमें **पाकिस्तानी प्रथम आर्मर्ड डिवीजन** के आक्रमण को भारतीय सेना ने ध्वस्त कर दिया था।
- इस युद्ध में पाकिस्तानी सेना के 97 पैटन टैंक नष्ट हो गए तथा एक पूरी पाकिस्तानी आर्मर्ड रेजिमेंट को आत्मसमर्पण करना पड़ा।
- 10 सितंबर 1965 को युद्ध के दौरान, अब्दुल हमीद ने चार पाकिस्तानी पैटन टैंकों की पहचान की, तीन को नष्ट कर दिया और एक को क्षतिग्रस्त कर दिया। बाद में, एक अन्य टैंक की गोलीबारी में वे शहीद हो गए।

♦ सम्मान:

- हमीद को उनकी बहादुरी के लिये मरणोपरांत भारत के सर्वोच्च वीरता पुरस्कार **परमवीर चक्र** से सम्मानित किया गया।
- उनका शहीद स्थल आज एक युद्ध स्मारक के रूप में संरक्षित है, जहाँ श्रद्धांजलि स्वरूप एक विजित पाकिस्तानी पैटन टैंक स्थापित है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्स



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



नोट :

झारखंड में बायोगैस संयंत्र

चर्चा में क्यों ?

गोबरधन योजना के तहत झारखंड के पाँच जिलों में नए **बायोगैस संयंत्र** स्थापित किये जाएंगे जिससे राज्य में बायोगैस संयंत्रों की कुल संख्या 47 हो जाएगी।

- ये पाँच नए बायोगैस संयंत्र बोकारो (पेटरवार ब्लॉक), रामगढ़ (चित्रापुर), दुमका (जरमुडी), जामताड़ा (कुंडहित) और सरायकेला-खरसावाँ (इचागढ़) में स्थापित किये जाएंगे।
- ये संयंत्र प्रतिदिन 135 घन मीटर गैस का उत्पादन करेंगे, जिससे स्थानीय समुदायों को स्वच्छ ऊर्जा का लाभ मिलेगा।
 - इसके अतिरिक्त बंडगाँव में बनकर तैयार हुआ 25 घन मीटर का संयंत्र 20 घरों को ऊर्जा प्रदान करेगा।

मुख्य बिंदु

- गोबरधन योजना के बारे में:**
 - शुरुआत:** वर्ष 2018 में शुरू की गई गैल्वनाइजिंग ऑर्गेनिक बायो-एग्रो रिसोर्सेज धन (गोबरधन) योजना, **स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) - चरण II** के अंतर्गत एक राष्ट्रीय प्राथमिकता परियोजना है।
 - क्रियान्वयन:** इसके क्रियान्वयन के लिये **जल शक्ति मंत्रालय** के अंतर्गत पेयजल और स्वच्छता विभाग (DDWS) को नोडल विभाग के रूप में नियुक्त किया गया है।
 - उद्देश्य:** इसका उद्देश्य सतत् विकास को बढ़ावा देने के लिये **बायोगैस/संपीडित बायोगैस (CBG)/Bio-CNG संयंत्रों** के लिये एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करना है।

योजना के मॉडल

श्रेणी	विवरण	उपयोग
व्यक्तिगत घरेलू	तीन या उससे अधिक पशुओं वाले परिवार।	खाना पकाने के लिये बायोगैस, खाद के रूप में स्लरी (तरल खाद)।
समुदाय	5-10 घरों के लिये संयंत्र, ग्रामसभा (GP) या स्वयं सहायता समूह (SHG) द्वारा प्रबंधन।	घरों/रेस्तरां के लिये गैस, स्लरी (तरल खाद) खाद के रूप में या बिक्री हेतु।
क्लस्टर	एक गाँव/गाँवों के समूह में अनेक घरों में संयंत्र स्थापित।	घरों के लिये गैस, जैव-उर्वरक के रूप में बिक्री हेतु स्लरी (तरल खाद)।
वाणिज्यिक CBG	उद्यमियों/सहकारी समितियों/गौशालाओं द्वारा स्थापित संयंत्र।	ईंधन के लिये संपीडित गैस, जैविक खाद के रूप में स्लरी (तरल खाद)।

राँची में IBM क्षेत्रीय कार्यालय का उद्घाटन

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय कोयला एवं खनन मंत्री जी. किशन रेड्डी ने झारखंड के राँची में **भारतीय खनन ब्यूरो (IBM)** के नवनिर्मित क्षेत्रीय कार्यालय का उद्घाटन किया।

दृष्टि आईएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



- ❖ यह कार्यालय नियामक निगरानी को सुदृढ़, समस्याओं के समाधान को त्वरित करने, खनन क्षेत्र के विकास को 'विकसित भारत' के अनुरूप बढ़ावा देने तथा पूर्वी भारत में IBM की संस्थागत उपस्थिति को सशक्त करेगा।

मुख्य बिंदु

- ❖ उद्देश्य:
 - ⦿ IBM प्रारंभ में एक सलाहकार संस्था के रूप में स्थापित किया गया था, लेकिन अब यह भारत के खनिज संसाधनों के वैज्ञानिक विकास, संरक्षण और सतत प्रबंधन को बढ़ावा देने वाला प्रमुख राष्ट्रीय संगठन है।
- ❖ कार्य:
 - ⦿ खनिज संसाधनों का वैज्ञानिक संरक्षण सुनिश्चित करने के लिये खानों का निरीक्षण करना।
 - ⦿ खनन योजनाओं और कार्यक्रमों की समीक्षा तथा अनुमोदन करना।
 - ⦿ भू-वैज्ञानिक और पर्यावरण अध्ययन आयोजित करना।
 - ⦿ खनन और लाभप्रद परियोजनाओं के लिये व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार करना।
 - ⦿ परामर्श सेवाएँ प्रदान करना तथा खानों और खनिजों के लिये डेटा बैंक के रूप में कार्य करना।
- ❖ खनिज संरक्षण में भूमिका:
 - ⦿ IBM निम्न-श्रेणी के अयस्क के उन्नयन और उपयोग को बढ़ावा देने के लिये काम करता है तथा खनिज मानचित्र तैयार करता है एवं दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिये संसाधनों की राष्ट्रीय खनिज सूची का रखरखाव करता है।
- ❖ अनुसंधान एवं विकास:
 - ⦿ यह संगठन अयस्क संवर्द्धन हेतु तकनीकों के विकास में संलग्न है। यह उन्नत अनुसंधान और प्रायोगिक स्तर के परीक्षणों के लिये UNDP की सहायता से नागपुर में एक आधुनिक खनिज प्रसंस्करण प्रयोगशाला तथा प्रायोगिक संयंत्र भी संचालित करता है।
- ❖ कार्यक्षेत्र:
 - ⦿ IBM के कार्यालय प्रमुख खनन क्षेत्रों जैसे- अजमेर, बंगलूरु, भुवनेश्वर, कोलकाता, चेन्नई, देहरादून, गोवा, गुवाहाटी, गांधीनगर, हैदराबाद, जबलपुर, रायपुर, नागपुर, राँची और उदयपुर में हैं।

झारखंड में पोषण माह अभियान

चर्चा में क्यों ?

झारखंड में 8वें पोषण माह 2025 का शुभारंभ किया गया, जिसमें तेल और चीनी के सेवन कम करने तथा मातृ एवं शिशु पोषण में सुधार के लिये "पाँच सूत्र-स्वर्णिम 1000 दिन" पहल को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया।

मुख्य बिंदु

- ❖ अभियान के बारे में:
 - ⦿ यह पहल पूरे राज्य में मातृ एवं शिशु पोषण सुधार के लिये चलाए जा रहे पोषण अभियान का हिस्सा है।
 - ⦿ कुपोषण से निपटने के उद्देश्य से इस अभियान का उद्देश्य अस्वास्थ्यकर तेल और चीनी के अत्यधिक सेवन को भी कम करना है।

दृष्टि आईएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्स



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



इष्टि लर्निंग
ऐप



नोट :

❖ तेल और चीनी के सेवन में कमी:

- शुभारंभ के अवसर पर पोस्टर सामग्री का अनावरण किया गया, जिसमें दैनिक आहार में तेल और चीनी के कम सेवन करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया।

🔍 ये पोस्टर राज्य के आंगनवाड़ी केंद्रों (AWCs) में वितरित किये जाएंगे, ताकि प्रभावी प्रसार सुनिश्चित हो सके।

❖ पाँच सूत्र- स्वर्णिम 1000 दिन पहल:

- यह पहल बच्चे के जीवन के महत्वपूर्ण 1000 दिनों (गर्भावस्था से दूसरे जन्मदिन तक) में स्वस्थ आहार को बढ़ावा देकर मातृ एवं बाल पोषण सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।
- इस पहल में जिन पाँच प्रमुख पोषण प्रक्रियाओं पर जोर दिया गया है, वे समुदायों को अपनी आहार संबंधी आदतों में सुधार के लिये मार्गदर्शन करेंगी, जिससे बच्चों का इष्टतम विकास सुनिश्चित हो सके।

पोषण अभियान

❖ परिचय:

- पोषण अभियान की शुरुआत प्रधानमंत्री द्वारा 8 मार्च 2018 को राजस्थान के झुंझुनू जिला में की गई थी।
- इस अभियान के तहत किशोरियों, गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं और 0 से 6 वर्ष तक के बच्चों की पोषण स्थिति पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।

❖ उद्देश्य:

- बच्चों (0-6 वर्ष) में बौनेपन को रोकना और कम करना
- बच्चों (0-6 वर्ष) में कुपोषण (कम वजन की व्यापकता) को रोकना और कम करना
- छोटे बच्चों (6-59 महीने) में एनीमिया की व्यापकता को कम करना
- 15-49 वर्ष आयु वर्ग की महिलाओं और किशोरियों में एनीमिया की व्यापकता को कम करना
- कम जन्म वजन (LBW) को कम करना।

विश्व रेबीज़ दिवस

चर्चा में क्यों ?

विश्व रेबीज़ दिवस के अवसर पर, झारखंड के स्वास्थ्य अधिकारियों ने कुत्तों के काटने के मामलों में तीव्र वृद्धि पर प्रकाश डाला, जिससे रेबीज़ के बढ़ते खतरे को लेकर जनता में चिंता उत्पन्न हुई।

- ❖ एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (IDSP) के आँकड़ों के अनुसार, अगस्त 2025 तक 30,000 से अधिक कुत्तों के काटने के मामले दर्ज किये गए, जिनसे लगभग 1.5 लाख लोग प्रभावित हुए और वर्ष 2021 से अब तक चार लोगों की रेबीज़ से मृत्यु हुई।

दृष्टि आईएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



नोट :

प्रमुख बिंदु

विश्व रेबीज़ दिवस (WRD):

- परिचय: वर्ष 2007 से हर साल 28 सितंबर को मनाया जाने वाला यह दिवस लुई पाश्चर की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में मनाया जाता है, जिन्होंने पहला रेबीज़ टीका विकसित किया था।
- वे एक फ़्रांसीसी रसायनज्ञ, फार्मासिस्ट और सूक्ष्मजीवविज्ञानी थे, जो टीकाकरण, सूक्ष्मजीव किण्वन और पाश्चुरीकरण के सिद्धांतों की खोज के लिये प्रसिद्ध थे।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने वर्ष 2030 तक कुत्तों से फैलने वाले रेबीज़ को समाप्त करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है।
- थीम: WRD 2025 की थीम “एक्ट नाउ: यू, मी, कम्युनिटी (Act now: You, Me, Community)” है।
- अपने 19-वर्षीय इतिहास में पहली बार, WRD की थीम में “रेबीज़” शब्द शामिल नहीं है, जो इस आंदोलन की मज़बूती और व्यापक स्वीकृति को दर्शाता है।

रेबीज़:

- यह एक वायरल, टीके द्वारा रोकी जा सकने वाला **ज़ूनोटिक** रोग है।
- यह राइबोन्यूक्लिक एसिड (RNA) वायरस के कारण होता है, जो पागल जानवर (कुत्ता, बिल्ली, बंदर आदि) के लार में मौजूद होता है।
- एक बार नैदानिक लक्षण दिखाई देने पर, रेबीज़ लगभग 100% घातक होता है। हृदय-श्वसन विफलता के कारण मृत्यु आमतौर पर चार दिनों से दो सप्ताह के भीतर हो जाती है।
- रेबीज़ के प्रारंभिक लक्षण फ्लू जैसे हो सकते हैं और कुछ दिनों तक रह सकते हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्स



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



इष्टि लर्निंग
ऐप



नोट :

राष्ट्रीय करेंट अफेयर्स

उर्जित पटेल IMF में कार्यकारी निदेशक नियुक्त

चर्चा में क्यों ?

भारत सरकार ने **भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI)** के पूर्व गवर्नर उर्जित पटेल को **अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF)** में कार्यकारी निदेशक (ED) के रूप में नियुक्त करने को मंजूरी दे दी है।

- वह भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे, जो बांग्लादेश, श्रीलंका और भूटान के साथ चार देशों के निर्वाचन क्षेत्र का अंग है।
- IMF के कार्यकारी बोर्ड में 25 निदेशक होते हैं, जिनका चुनाव सदस्य देशों या देशों के समूहों द्वारा किया जाता है।

मुख्य बिंदु

- मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से तीन वर्ष की अवधि के लिये अथवा अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, उनकी नियुक्ति को मंजूरी दी है।
- वह पूर्व **मुख्य आर्थिक सलाहकार के. वी. सुब्रमण्यन** का स्थान लेंगे, जिनका कार्यकाल अनियमितता के आरोपों के कारण छह महीने कम कर दिया गया था।
- भूमिका:** IMF में कार्यकारी निदेशक के रूप में, वह निम्नलिखित कार्य करेंगे:
 - कार्यकारी बोर्ड का हिस्सा बनना, जो वैश्विक और क्षेत्रीय आर्थिक नीतियों, राष्ट्रीय आर्थिक नीतियों तथा कोष की क्षमता-विकास पहलों पर विचार-विमर्श करता है तथा उन पर प्रभाव डालता है।
 - अस्थायी भुगतान-संतुलन** समस्याओं के समाधान हेतु सदस्य देशों की वित्तीय सहायता पैकेजों की स्वीकृति में सहयोग प्रदान करना।
 - सदस्य देशों के आर्थिक सुधारों और नीतिगत पहलों को दिये जाने वाले IMF के सहयोग की निगरानी में केंद्रीय भूमिका निभाना।

उर्जित पटेल:

- परिचय**
 - उर्जित पटेल वर्ष 2016 से 2018 तक **भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI)** के 24वें गवर्नर रहे। उन्होंने रघुराम राजन के उत्तराधिकारी के रूप में यह दायित्व संभाला। इससे पूर्व वे उप-गवर्नर के पद पर कार्यरत थे, जहाँ उन्होंने **मौद्रिक नीति**, आर्थिक अनुसंधान और जमा बीमा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों की देखरेख की थी।
 - RBI से त्याग-पत्र देने के बाद उर्जित पटेल ने बीजिंग स्थित **एशियाई अवसंरचना निवेश बैंक (AIIB)** में निवेश परिचालन के **उपाध्यक्ष** के रूप में कार्य किया। पारिवारिक स्वास्थ्य कारणों से उन्होंने जनवरी 2024 में इस पद से त्यागपत्र दे दिया।
 - जून 2020 से वे **राष्ट्रीय लोक वित्त एवं नीति संस्थान (NIPFP)** के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं।
- RBI में सुधार:**
 - उनके नेतृत्व में RBI ने मौद्रिक नीति में महत्वपूर्ण सुधार पेश किये, जिनमें ब्याज दरों पर निर्णय लेने के लिये अक्टूबर 2016 में गठित **मौद्रिक नीति समिति (MPC)** भी शामिल है।

दृष्टि आईएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



नोट :

- परिवर्तनीय मुद्रास्फीति लक्ष्य निर्धारण: RBI ने जनवरी 2014 में अनुशंसित परिवर्तनीय मुद्रास्फीति लक्ष्य निर्धारण ढाँचे को अपनाया, जिसमें पटेल ने डिप्टी गवर्नर के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

डायमंड लीग 2025

चर्चा में क्यों ?

नीरज चोपड़ा स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख में आयोजित **डायमंड लीग फाइनल** में उपविजेता रहे। जर्मनी के **जूलियन वेबर** ने 91.57 मीटर का श्रो फेंककर अपना पहला डायमंड लीग खिताब जीता।

मुख्य बिंदु:

- नीरज चोपड़ा का सर्वश्रेष्ठ श्रो फाइनल राउंड में 85.01 मीटर रहा, जिससे वह **केशोर्न वालकॉट** (84.95 मीटर) को पीछे छोड़कर तीसरे से दूसरे स्थान पर पहुँच गए।
- यूरोपीय चैंपियन **जूलियन वेबर** ने दो बार 90 मीटर से अधिक का श्रो करते हुए प्रतियोगिता पर प्रभुत्व स्थापित किया और विश्व चैंपियनशिप के लिये शीर्ष दावेदार के रूप में अपनी स्थिति सुदृढ़ की।

वांडा डायमंड लीग

- शृंखला का अवलोकन:** वर्ष 2010 में आरम्भ की गई वांडा डायमंड लीग एक **विशिष्ट वैश्विक एथलेटिक्स प्रतियोगिता** है, जिसमें चार महाद्वीपों और 13 देशों में आयोजित 15 प्रतिष्ठित स्पर्द्धाएँ शामिल हैं। यह एथलीटों को प्रमुख **चैंपियनशिप** के अतिरिक्त खेल की **सर्वोच्च उपाधि** के लिये प्रतिस्पर्द्धा करने का अवसर प्रदान करती है।
- एथलीट अप्रैल से सितंबर तक आयोजित 14 शृंखला प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं और अपने प्रदर्शन के आधार पर अंक अर्जित करते हैं। प्रत्येक प्रतियोगिता के शीर्ष एथलीट, वाइल्डकार्ड प्रविष्टियों के साथ, दो दिवसीय वांडा डायमंड लीग फाइनल के लिये क्वालीफाई करते हैं।
- वांडा डायमंड लीग फाइनल:** ज्यूरिख में आयोजित यह दो दिवसीय आयोजन **विजेता-सब-कुछ ले जाए** प्रारूप पर आधारित है। प्रत्येक स्पर्द्धा के विजेताओं को डायमंड ट्रॉफी तथा (निर्धारित शर्तों के अनुसार) वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में वाइल्डकार्ड प्रविष्टि प्रदान की जाती है।

रेमन मैग्सेसे पुरस्कार 2025

चर्चा में क्यों ?

भारत के ग्रामीण और शैक्षिक रूप से वंचित क्षेत्रों में **बालिकाओं की शिक्षा** हेतु सामुदायिक तथा सरकारी संसाधन जुटाने के लिये समर्पित भारतीय **गैर-लाभकारी संगठन 'फाउंडेशन टू एजुकेट गर्ल्स ग्लोबली'** को वर्ष 2025 का **रेमन मैग्सेसे पुरस्कार** प्रदान किया गया है।

- अन्य पुरस्कार विजेताओं में **मालदीव की शाहिना अली** को उनके पर्यावरण संबंधी कार्य के लिये तथा **फिलीपींस के फ्लावियानो एंटोनियो एल. विलानुएवा** को गरीबों और हाशिये पर पड़े लोगों के उत्थान के प्रयासों के लिये सम्मानित किया गया है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



मुख्य बिंदु

एजुकेट गर्ल्स के बारे में:

- इसे फाउंडेशन टू एजुकेट गर्ल्स ग्लोबली के नाम से भी जाना जाता है। इसकी स्थापना वर्ष 2007 में **सफीना हुसैन** द्वारा की गई थी।
- यह एशिया में **नोबेल पुरस्कार के समकक्ष** इस प्रतिष्ठित पुरस्कार को प्राप्त करने वाला पहला भारतीय संगठन है।

उद्देश्य:

- इस संगठन की **शुरुआत राजस्थान** से हुई, जिसका उद्देश्य स्कूल न जाने वाली बालिकाओं को कक्षाओं में नामांकन कर **महिला निरक्षरता** को दूर करना तथा उच्च शिक्षा और रोजगार तक उनकी सहायता करना है।

मिशन:

- फाउंडेशन का मुख्य मिशन **“वन गर्ल एट अ टाइम”** है, जो ज़मीनी स्तर के प्रयासों, सामुदायिक प्रोत्साहन तथा साझेदारी पर आधारित है।
- इसका उद्देश्य गरीबी, घरेलू कार्य जैसे अवरोधों को दूर कर समाज में बालिका शिक्षा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना है।

पहल:

- वर्ष 2015 में एजुकेट गर्ल्स ने शिक्षा क्षेत्र में विश्व का पहला **विकास प्रभाव बॉण्ड (DIB)** शुरू किया, जिसमें वित्तीय सहायता को मापने योग्य परिणामों से जोड़ा गया। इस पहल से 30,000 गाँवों की 20 लाख से अधिक बालिकाएँ लाभान्वित हुईं।
- संगठन ने 15-29 वर्ष की युवा महिलाओं के लिये एक ओपन स्कूलिंग कार्यक्रम **‘प्रगति’** की भी शुरुआत की, जिसमें प्रतिभागियों की संख्या 300 से बढ़कर 31,500 हो गई। इस पहल ने उन्हें अपनी शिक्षा पूरी करने में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया।

रेमन मैग्सेसे पुरस्कार

- वर्ष 1958 में स्थापित **रेमन मैग्सेसे पुरस्कार** उन व्यक्तियों और संगठनों को सम्मानित करता है जिन्होंने जटिल सामाजिक मुद्दों को संबोधित करते हुए एशिया तथा विश्व स्तर पर मानव विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

- पुरस्कार विजेताओं का चयन प्रतिवर्ष **रेमन मैग्सेसे पुरस्कार फाउंडेशन (RMAF)** द्वारा किया जाता है और उन्हें पदक, प्रमाण-पत्र तथा नकद पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

- 67वाँ **रेमन मैग्सेसे पुरस्कार समारोह** 7 नवंबर, 2025 को मनीला के **मेट्रोपॉलिटन थिएटर** में आयोजित किया जाएगा।

उद्देश्य:

- यह पुरस्कार जाति, लिंग या धर्म से परे निःस्वार्थ सेवा और भावना की महानता को मान्यता देने के लिये बनाया गया था तथा एशिया में परिवर्तनकारी नेतृत्व तथा साहस का उत्सव मनाता है।

श्रेणियाँ:

- वर्ष 1958 से 2008 तक यह पुरस्कार छह श्रेणियों में प्रदान किया गया:
 - सरकारी सेवा
 - सार्वजनिक सेवा**
 - सामुदायिक नेतृत्व
 - पत्रकारिता, साहित्य और रचनात्मक संचार कला
 - शांति और अंतर्राष्ट्रीय समझ
 - उभरता नेतृत्व (40 वर्ष से कम आयु के व्यक्तियों के लिये)

दृष्टि आईएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्स



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



- वर्ष 2009 के बाद से यह पुरस्कार किसी निश्चित श्रेणी में नहीं दिया जाता, केवल इमर्जेंट लीडरशिप को छोड़कर, जो फोर्ड फाउंडेशन के सहयोग से जारी है।

युद्ध अभ्यास 2025

चर्चा में क्यों ?

भारतीय सेना का एक दल अमेरिका के अलास्का स्थित फोर्ट वेनराइट के लिये प्रस्थान कर चुका है, जहाँ 1 से 14 सितंबर, 2025 तक भारत-अमेरिका संयुक्त सैन्य अभ्यास 'युद्ध अभ्यास' का 21वाँ संस्करण आयोजित किया जाएगा।

मुख्य बिंदु

भाग लेने वाली सेनाएँ:

- भारतीय दल में मद्रास रेजिमेंट की एक बटालियन के कार्मिक शामिल हैं, जो भारतीय सेना की सबसे पुरानी रेजिमेंटों में से एक है।
- अमेरिकी सेना का प्रतिनिधित्व 11वीं एयरबोर्न डिवीजन के अंतर्गत आर्कटिक वोल्क्स ब्रिगेड कॉम्बैट टीम की पहली बटालियन, 5वीं इन्फैंट्री रेजिमेंट "बॉबकैट्स" के सैनिकों द्वारा किया जाएगा।

गतिविधियाँ:

- अभ्यास के दौरान दोनों देशों की सेनाएँ विविध सामरिक कौशलों का अभ्यास करेंगी, जिनमें हेलिबोर्न ऑपरेशन, निगरानी संसाधनों एवं मानव रहित हवाई प्रणालियों का प्रयोग, रॉकफ्राफ्ट, पर्वतीय युद्धकला, हताहतों की निकासी, युद्धक्षेत्र चिकित्सा सहायता तथा तोपखाने, वायुसेना एवं इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणालियों का समन्वित उपयोग शामिल है।

अभ्यास का समापन:

- यह अभ्यास संयुक्त रूप से नियोजित एवं क्रियान्वित सामरिक अभियानों के साथ संपन्न होगा, जिनमें लाइव-फायर ड्रिल्स से लेकर उच्च पर्वतीय युद्ध परिदृश्यों तक की अभिव्यक्ति होगी।

उद्देश्य:

- 'युद्ध अभ्यास 2025' का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना अभियानों के लिये परिचालन तत्परता को सुदृढ़ करना है, जिससे शांति अभियानों के प्रभावी प्रबंधन हेतु क्षमता-निर्माण सुनिश्चित किया जा सके।
- इसके अतिरिक्त, यह अभ्यास बहु-क्षेत्रीय चुनौतियों से निपटने हेतु सेनाओं को तैयार करेगा तथा एकीकृत युद्ध और संयुक्त परिचालन रणनीतियों के महत्व पर जोर देगा।

आदि वाणी

चर्चा में क्यों ?

जनजातीय मामलों के मंत्रालय ने जनजातीय गौरव वर्ष (JJGV) समारोह के हिस्से के रूप में जनजातीय भाषाओं के लिये भारत के पहले AI-संचालित अनुवाद मंच 'आदि वाणी' का बीटा संस्करण लॉन्च किया है।

मुख्य बिंदु

आदि वाणी के बारे में

- आदि वाणी को IIT दिल्ली के नेतृत्व में एक राष्ट्रीय संघ द्वारा विकसित किया गया है, जिसमें BITS पिलानी, IIIT हैदराबाद, IIIT नवा रायपुर तथा झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और मेघालय के जनजातीय अनुसंधान संस्थानों का सहयोग शामिल है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्स



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



- बीटा संस्करण वर्तमान में **संथाली, भोजपुरी, मुंडारी और गोंडी** भाषाओं का समर्थन करता है, जबकि **कुई और गारो** जैसी भाषाओं पर विकास कार्य प्रगति पर है।

प्रमुख विशेषताएँ:

- हिंदी, अंग्रेजी और **जनजातीय भाषाओं** के बीच वास्तविक समय में पाठ एवं वाक् अनुवाद की सुविधा।
- छात्रों और नव-शिक्षार्थियों के लिये **इंटरैक्टिव भाषा शिक्षण मॉड्यूल**।
- लोककथाओं एवं मौखिक परंपराओं का **डिजिटलीकरण** कर सांस्कृतिक धरोहर का संरक्षण।
- जनजातीय भाषाओं में सरकारी परामर्श एवं स्वास्थ्य संबंधी संदेश, उपशीर्षकों सहित उपलब्ध कराना।

जनजातीय गौरव वर्ष (JJGV)

- यह वर्ष भगवान **बिरसा मुंडा** (धरती आबा) की 150वीं जयंती का स्मरण करता है तथा जनजातीय नायकों की अद्वितीय विरासत को सम्मानित करता है।
- इसे **15 नवंबर 2024 से 15 नवंबर 2025** तक जनजातीय गौरव दिवस (2021 में घोषित) के एक साल के विस्तार के रूप में मनाया जा रहा है।
- यह पहल **धरती आबा जनजातीय उत्कर्ष ग्राम अभियान** तथा **प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान (PM JAN-MAN)** जैसे प्रमुख कार्यक्रमों से जुड़ी हुई है।

उद्देश्य:

- भारत की सांस्कृतिक अस्मिता और **स्वतंत्रता संग्राम** में जनजातीय समुदायों के सांस्कृतिक, आध्यात्मिक एवं सामाजिक योगदान को रेखांकित करना।
- संपूर्ण शासन दृष्टिकोण** के माध्यम से जनजातीय कल्याण को प्रोत्साहित करना।
- जनजातीय विकास संबंधी पहलों में** जनभागीदारी (लोगों की सक्रिय सहभागिता) को बढ़ावा देना।
- जनजातीय नायकों के प्रति जागरूकता और **राष्ट्र-निर्माण** में उनकी भूमिका की पहचान को सुदृढ़ करना।

NCERT का 65वाँ स्थापना दिवस

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने **NCERT** के 65वें स्थापना दिवस पर अनेक पहलों का शुभारंभ किया। उन्होंने संस्थान से शिक्षा के प्रति सुधारोन्मुख एवं प्रौद्योगिकी-आधारित दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया।

मुख्य बिंदु

शुभारंभ की गई प्रमुख पहलें:

पीएम ई-विद्या मोबाइल एप्लिकेशन:

- यह **पीएम ई-विद्या** के अंतर्गत सभी प्रमुख डिजिटल एवं प्रसारण पहलों तक पहुँच हेतु एक केंद्रीकृत पोर्टल है, जिसे BISAG-N के सहयोग से विकसित किया गया है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



❖ दीक्षा 2.0 :

- इसमें संरचित पाठ, अनुकूली मूल्यांकन, प्रदर्शन फीडबैक, चर्चा मंच और एआई उपकरण जैसे रीड अलाउड, क्लोज्ड कैप्शन तथा 12 भाषाओं में पाठ फाइलों का अनुवाद शामिल है।

❖ प्रशस्त 2.0:

- यह एक पूर्व-मूल्यांकन समग्र स्क्रीनिंग टूल है जो दिव्यांग बच्चों की शीघ्र पहचान के लिये मोबाइल और वेब प्लेटफॉर्म को उन्नत करता है।

❖ किताब एक पढ़े अनेक :

- **राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020** के अनुरूप यह पहल यूनिवर्सल डिज़ाइन ऑफ़ लर्निंग (UDL) आधारित सुलभ डिजिटल एवं मुद्रित पाठ्यपुस्तकों के निर्माण पर केंद्रित है। इसका उद्देश्य **समावेशी कक्षाओं की स्थापना करना** है, जिससे विशेषकर दिव्यांगजन छात्रों एवं सामाजिक-आर्थिक रूप से वंचित वर्गों के बच्चों को लाभ मिल सके।

❖ उत्कल जननींकर सुजोग्य संतान :

- यह पुस्तक ओडिशा के 100 महान व्यक्तित्वों के जीवन और योगदान पर आधारित है, जिन्होंने आधुनिक ओडिशा के विकास में योगदान दिया तथा **राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन** में भी भाग लिया।

NCERT (राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद)

- ❖ **स्थापना:** 1 सितंबर 1961
- ❖ **मुख्यालय:** नई दिल्ली
- ❖ **उद्देश्य:** भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्त संगठन के रूप में , यह विद्यालयी शिक्षा से संबंधित शैक्षणिक मामलों पर केंद्र और राज्य सरकारों को सहायता तथा सलाह देता है।
- ❖ **कार्य:** पाठ्यपुस्तकें, शिक्षण-अधिगम सामग्री और नवीन शैक्षणिक उपकरण विकसित करना, साथ ही अनुसंधान, प्रशिक्षण तथा क्षमता निर्माण कार्यक्रम भी संचालित करना।

इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक का 8वाँ स्थापना दिवस

चर्चा में क्यों ?

इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (IPPB) ने 1 सितंबर 2025 को अपना 8वाँ स्थापना दिवस मनाया और समावेशी तथा सुलभ बैंकिंग सेवाएँ अंतिम छोर तक पहुँचाने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

मुख्य बिंदु

❖ IPPB के बारे में:

- इसकी स्थापना वर्ष 2018 में **डाक विभाग** के अधीन एक सरकारी पहल के रूप में की गई थी।
- इसका उद्देश्य वित्तीय समावेशन को प्रोत्साहित करना और डिजिटल इंडिया अभियान को आगे बढ़ाना है।

❖ क्षेत्र

- IPPB के पास 1.64 लाख से अधिक डाकघर तथा 1.90 लाख डाकिया और ग्रामीण डाक सेवक (GDS) कार्यरत हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्स



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



नोट :

- यह 12 करोड़ से अधिक ग्राहकों को सेवाएँ प्रदान करता है, अरबों **डिजिटल लेन-देन** संपन्न करता है तथा ग्रामीण, अर्द्ध-शहरी और दूरस्थ क्षेत्रों में घर-घर बैंकिंग उपलब्ध कराता है।

उद्देश्य

- प्रत्येक भारतीय को डिजिटल रूप से सशक्त बनाना और आर्थिक आत्मनिर्भरता की राह प्रशस्त करना।
- अंतिम छोर तक बैंकिंग सेवाएँ पहुँचाना ताकि ग्रामीण एवं वंचित आबादी भी वित्तीय रूप से समावेशित हो सके।

सेवाएँ:

- IPPB ने अपनी सेवाओं का विस्तार **प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT)** वितरण, पेंशन भुगतान, ऋण सुविधा, **बीमा और निवेश** उत्पादों तक किया है, जो विभिन्न संस्थानों के सहयोग से उपलब्ध कराए जाते हैं।
- नई सेवाओं में डिजी स्मार्ट डिजिटल सेविंग्स अकाउंट, प्रीमियम आरोग्य सेविंग्स अकाउंट, **आधार-आधारित चेहरा प्रमाणीकरण**, रूपे वर्चुअल डेबिट कार्ड, AePS सक्षम भुगतान, अंतर्राष्ट्रीय प्रेषण और भारत बिल-पे एकीकरण शामिल हैं, जिन्होंने ग्राहकों की सुविधा को तथा बढ़ाया है।

पेमेंट्स बैंक

परिचय:

- पेमेंट्स बैंक एक विभेदित बैंक (Differentiated Bank) है, जो सीमित बैंकिंग सेवाएँ प्रदान करता है।
- डॉ. नचिकेत मोर समिति** ने निम्न-आय वर्गों और छोटे व्यवसायों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये पेमेंट्स बैंक की स्थापना की सिफारिश की थी।

विशेषताएँ:

- यह केवल **बचत और चालू खातों में मांग जमा** स्वीकार कर सकता है, **सावधि जमा नहीं**।
- प्रत्येक ग्राहक पेमेंट्स बैंक खाते में अधिकतम 2,00,000 रुपये की शेष राशि रख सकता है।
- पेमेंट्स बैंक **अनिवासी भारतीय (Non-Resident Indian-NRI)** जमा स्वीकार नहीं कर सकते।
- पेमेंट्स बैंक **गैर-बैंकिंग वित्तीय सेवा गतिविधियाँ शुरू करने के लिये सहायक कंपनियाँ** स्थापित नहीं कर सकते हैं।

भारती पहल

चर्चा में क्यों ?

कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (APEDA) ने **भारती (BHARATI)** पहल शुरू की है, जो **कृषि-तकनीक और कृषि-खाद्य स्टार्टअप्स** को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्य बिंदु

उद्देश्य और दृष्टिकोण:

- भारती (BHARATI)**, जो भारत के **कृषि प्रौद्योगिकी**, लचीलापन, उन्नति और निर्यात सक्षमता के लिये **इनक्यूबेशन केंद्र** का संक्षिप्त रूप है, का उद्देश्य **कृषि-खाद्य तथा कृषि-तकनीक** क्षेत्रों के 100 स्टार्टअप्स को सशक्त बनाना है।
- इस पहल का उद्देश्य **नवाचार में तेज़ी लाना** और नए निर्यात अवसर सृजित करना है, जिससे **वर्ष 2030 तक अनुसूचित उत्पादों के लिये कृषि-खाद्य निर्यात को 50 बिलियन डॉलर तक पहुँचाने के भारत के लक्ष्य का समर्थन** मिलेगा।

दृष्टि आईएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



❖ प्रथम पायलट समूह:

- पहला समूह, जो सितंबर 2025 में शुरू होगा, 100 स्टार्टअप्स पर ध्यान केंद्रित करेगा, जिनमें उच्च मूल्य वाले कृषि-खाद्य उत्पादकों से लेकर प्रौद्योगिकी-संचालित सेवा प्रदाता और नवप्रवर्तक शामिल होंगे।
- एआई-आधारित गुणवत्ता नियंत्रण, ब्लॉकचेन ट्रेसबिलिटी, **IoT-सक्षम कोल्ड चेन** और एग्री-फिनटेक जैसी उन्नत तकनीकों पर काम करने वाले स्टार्टअप्स शामिल किये जाएंगे।

❖ नवाचार के लिये प्रमुख क्षेत्र:

- भारती पहल उच्च मूल्य वाले कृषि-खाद्य श्रेणियों जैसे **GI-टैग उत्पाद, जैविक खाद्य पदार्थ, सुपरफूड, नवीन प्रसंस्कृत कृषि-खाद्य पदार्थ, पशुधन उत्पाद और आयुष उत्पादों** को लक्षित करेगी।
- यह पहल पैकेजिंग, स्थिरता और समुद्री खाद्य प्रोटोकॉल को संबोधित करने वाले अभिनव समाधानों को भी प्रोत्साहित करेगी।

❖ निर्यात संबंधी चुनौतियों का समाधान:

- यह पहल उत्पाद विकास, गुणवत्ता आश्वासन, **शीघ्र नष्ट होने वाले उत्पादों**, अपव्यय और रसद से संबंधित प्रमुख निर्यात चुनौतियों के समाधान पर ध्यान केंद्रित करेगी।
- सहयोगात्मक पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देकर यह वैश्विक कृषि-खाद्य बाजार में भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिये लागत प्रभावी समाधान प्रदान करेगी।

❖ सहयोगात्मक पारिस्थितिकी तंत्र और साझेदारी:

- यह पहल राज्य कृषि बोर्डों, कृषि विश्वविद्यालयों, IIT और NIT जैसे प्रमुख संस्थानों तथा उद्योग निकायों के साथ मिलकर **स्टार्टअप्स** को आकर्षित करने एवं समर्थन देने के लिये काम करेगी।
- पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिये मौजूदा त्वरणक (Existing accelerators) का भी लाभ उठाया जाएगा।

❖ स्टार्टअप्स को समर्थन:

- एक राष्ट्रव्यापी जागरूकता अभियान हितधारकों को शामिल करेगा और समाधान-उन्मुख स्टार्टअप्स को आकर्षित करेगा।
- स्टार्टअप्स को तीन महीने के त्वरण कार्यक्रम से गुजरना होगा, जिसमें उत्पाद विकास, निर्यात तत्परता, विनियामक अनुपालन और बाजार पहुँच पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

❖ सरकारी पहलों के साथ संरेखण:

- यह पहल भारत सरकार की **आत्मनिर्भर भारत, वोकल फॉर लोकल, डिजिटल इंडिया** और **स्टार्ट-अप इंडिया** पहलों के साथ संरेखित है।

APEDA की स्थापना **APEDA अधिनियम, 1985** के तहत की गई थी और इसे अल्कोहलिक तथा गैर-अल्कोहलिक पेय पदार्थ, मांस एवं मांस उत्पाद, पुष्पकृषि उत्पाद आदि जैसे उत्पादों के निर्यात संवर्द्धन व विकास की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

वैश्विक शांति सूचकांक (GPI)

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में जारी **वैश्विक शांति सूचकांक 2025** में भारत को 115वाँ स्थान मिला है, जबकि आइसलैंड सबसे शांतिपूर्ण देश के रूप में शीर्ष स्थान पर बना हुआ है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्स



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



नोट :

मुख्य बिंदु

वैश्विक शांति सूचकांक के बारे में:

- इसे प्रतिवर्ष इंस्टीट्यूट फॉर इकोनॉमिक्स एंड पीस द्वारा जारी किया जाता है। इसमें 23 संकेतकों के आधार पर देशों को रैंक प्रदान की जाती है, जिनमें सैन्यीकरण, बाह्य संघर्ष, हत्या और आतंकवाद जैसे संकेतक शामिल हैं।
- वैश्विक शांति सूचकांक 2025 में 163 देशों का विश्लेषण किया गया, जो विश्व की 99.7% जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करते हैं।
- इस सूचकांक के अनुसार, राज्य-आधारित संघर्षों की संख्या द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अपने उच्चतम स्तर पर पहुँच गई है तथा वर्ष 2025 में नए संघर्ष भी उभरे हैं

रैंकिंग 2025:

- आइसलैंड, आयरलैंड तथा न्यूजीलैंड को विश्व के सर्वाधिक शांतिपूर्ण देशों में स्थान प्राप्त हुआ है। आइसलैंड वर्ष 2008 से शीर्ष स्थान पर बना हुआ है।
- रूस, यूक्रेन, सूडान, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य तथा यमन को सबसे कम शांतिपूर्ण देशों में शामिल किया गया है।
- शीर्ष 10 में सिंगापुर एकमात्र एशियाई देश है, जो अत्यधिक सैन्य व्यय के बावजूद उच्च सुरक्षा स्तर बनाए हुए है।
- भारत को 115वाँ स्थान प्राप्त हुआ है (वर्ष 2024 में 116वाँ), जबकि पाकिस्तान 144वें स्थान पर है, जो दोनों देशों के बीच सुरक्षा स्तर में महत्वपूर्ण अंतर को दर्शाता है।

विश्व के 10 सर्वाधिक शांतिपूर्ण देश

रैंक	देश	रैंक	देश
1	आइसलैंड	2	आयरलैंड
3	न्यूजीलैंड	4	ऑस्ट्रिया
5	स्विट्जरलैंड	6	सिंगापुर
7	पुर्तगाल	8	डेनमार्क
9	स्लोवेनिया	10	फिनलैंड

आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय

चर्चा में क्यों?

भारत में आधुनिक रसायन विज्ञान के अग्रदूत आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय की 164वीं जयंती पर विभिन्न स्मारक गतिविधियों का आयोजन किया गया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



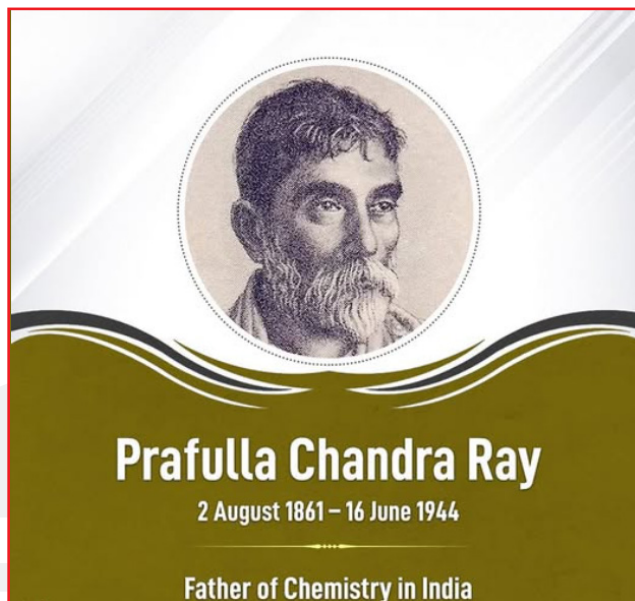
दृष्टि लर्निंग
ऐप



नोट:

मुख्य बिंदु

♦ आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय के बारे में:



- प्रफुल्ल चंद्र राय (1861-1944) एक प्रसिद्ध भारतीय वैज्ञानिक और शिक्षक थे तथा “आधुनिक” भारतीय रासायनिक शोधकर्ताओं में से एक थे। इन्हें “भारतीय रसायन विज्ञान के जनक” के रूप में जाना जाता है।
- मूल रूप से एडिनबर्ग विश्वविद्यालय में प्रशिक्षित, उन्होंने कई वर्षों तक कलकत्ता के प्रेसीडेंसी कॉलेज और फिर कलकत्ता विश्वविद्यालय में काम किया।

♦ कार्य:

- उन्होंने वर्ष 1895 में स्थिर यौगिक **मर्क्यूरस नाइट्राइट** (Mercurous Nitrite) की खोज की।
- एक कट्टर राष्ट्रवादी राय बंगाली उद्यम को आगे बढ़ाने के लिये प्रतिबद्ध थे और उन्होंने वर्ष 1901 में **बंगाल केमिकल एंड फार्मास्युटिकल वर्क्स** की स्थापना की।
- राय वर्ष 1905 के **स्वदेशी आंदोलन** के सक्रिय समर्थक थे और वे विदेशी वस्तुओं के प्रयोग को भारत के विरुद्ध राजद्रोह मानते थे।
- वह एक सच्चे तर्कवादी थे और पूरी तरह से जाति व्यवस्था व अन्य तर्कहीन सामाजिक व्यवस्था के खिलाफ थे। उन्होंने अपनी मृत्यु तक समाज सुधार के इस कार्य को जारी रखा।

♦ पुरस्कार एवं सम्मान:

- ब्रिटिश सरकार द्वारा सम्मानित, उन्हें **भारतीय साम्राज्य का साथी** (Companion of the Indian Empire- CIE) की तथा उसके बाद वर्ष 1919 में नाइटहुड की उपाधि दी गई।
- वर्ष 1920 में उन्हें **भारतीय विज्ञान कांग्रेस** का अध्यक्ष चुना गया।
- 2 अगस्त, 1961 को उनकी जयंती मनाने के लिये **भारतीय डाक** द्वारा उन पर एक डाक टिकट जारी किया गया था।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



नोट :

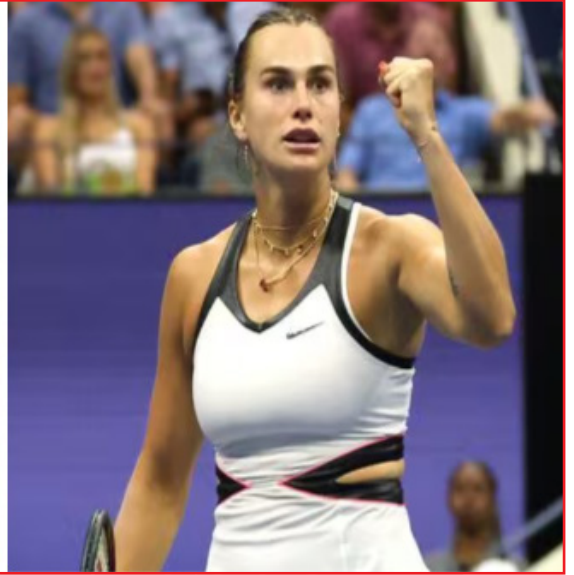
यूएस ओपन 2025

चर्चा में क्यों ?

18 अगस्त से 7 सितंबर, 2025 तक न्यूयॉर्क के USTA बिली जीन किंग नेशनल टेनिस सेंटर में आयोजित यूएस ओपन 2025, एकल और युगल श्रेणियों में महत्वपूर्ण जीत के साथ संपन्न हुआ।

इस टूर्नामेंट में प्रत्येक एकल विजेता के लिये 5 मिलियन डॉलर की रिकॉर्ड पुरस्कार राशि रखी गई थी, जो पुरुष और महिला दोनों श्रेणियों में समान थी।

मुख्य बिंदु



- ❖ **पुरुष एकल विजेता:** कार्लोस अल्काराज़ (स्पेन) ने जैनिक्स सिनर (इटली) को हराकर अपना दूसरा अमेरिकी ओपन और कुल मिलाकर छठा ग्रैंड स्लैम खिताब अर्जित किया।
- ❖ **महिला एकल विजेता:** आर्यना सबालेंका (बेलारूस) ने अमांडा अनिसिमोवा (अमेरिका) को हराकर अपना खिताब बरकरार रखा और WTA रैंकिंग में शीर्ष पर अपनी स्थिति सुदृढ़ की।
- ❖ **पुरुष युगल विजेता:** मार्सेल ग्रैनोलर्स (स्पेन) और होरासियो जेबालोस (अर्जेंटीना) ने फाइनल में जो सैलिसबरी और नील स्कूप्स्की (यूनाइटेड किंगडम) को हराकर खिताब जीता।
- ❖ **महिला युगल विजेता:** गैब्रिएला डाब्रोव्स्की (कनाडा) और एरिन रूटलिफ़ (न्यूजीलैंड) ने कैटरीना सिनियाकोवा (चेक गणराज्य) तथा टेलर टाउनसेंड (USA) को हराया।
- ❖ **मिश्रित युगल विजेता:** सारा इरानी और एंड्रिया वावसोरी (इटली) ने इगा स्वीटेक (पोलैंड) तथा कैम्पर रूड (नॉर्वे) को हराकर मिश्रित युगल का खिताब जीता।

दृष्टि आईएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



नोट :

ग्रेंड स्लैम

- इसका अर्थ है कि एक ही कैलेंडर वर्ष में सभी चार प्रमुख टेनिस चैंपियनशिप जीतना: ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, ब्रिटेन (विंबलडन) और अमेरिका।
- यह उपलब्धि अब तक 5 अलग-अलग खिलाड़ियों द्वारा 6 बार हासिल की गई है।
- डॉन बज टेनिस में ग्रेंड स्लैम हासिल करने वाले प्रथम खिलाड़ी थे, जिन्होंने वर्ष 1938 में सभी चार प्रमुख चैंपियनशिप जीती थीं।

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस 2025

चर्चा में क्यों ?

8 सितंबर 2025 को, विश्व में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाया, जिसमें मानव प्रगति और परिवर्तन के सशक्त साधन के रूप में पढ़ने तथा लिखने की क्षमता पर प्रकाश डाला गया।

मुख्य बिंदु

- उत्पत्ति:**
 - अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की उत्पत्ति वर्ष 1965 में तेहरान (ईरान) में आयोजित 'शिक्षा मंत्रियों के विश्व सम्मेलन' से मानी जाती है, जिसका मुख्य उद्देश्य निरक्षरता का उन्मूलन था।
 - इसी सम्मेलन से एक ऐसे दिवस की परिकल्पना की गई जो वैश्विक स्तर पर साक्षरता को बढ़ावा देने के लिये समर्पित हो।
 - यूनेस्को ने वर्ष 1966 में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की घोषणा की तथा इसे पहली बार 8 सितंबर 1967 को मनाया गया। तब से यह प्रतिवर्ष मनाया जाता है, ताकि साक्षरता की परिवर्तनकारी क्षमता को वैश्विक स्तर पर रेखांकित किया जा सके।
- विषय 2025: "डिजिटल युग में साक्षरता को बढ़ावा देना।"**
- डिजिटल साक्षरता**
 - डिजिटल साक्षरता का आशय ऑनलाइन सामग्री तक पहुँचने, उसका मूल्यांकन करने, सृजन एवं संप्रेषण करने की क्षमता से है।
 - इसमें आलोचनात्मक चिंतन (Critical Thinking) विकसित करना, विश्वसनीय सूचना की पहचान करना तथा जटिल डिजिटल वातावरण में सुरक्षित रूप से मार्गदर्शन करना शामिल है, जिससे यह आज एक आवश्यक कौशल बन गया है।
- साक्षरता**
 - राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण (NSS) के अनुसार, साक्षरता का अर्थ किसी भी भाषा में साधारण संदेश को पढ़ने, लिखने और समझने की क्षमता से है।
 - "सार्वभौमिक" शब्द का तात्पर्य सामान्यतः पूर्ण या लगभग पूर्ण कवरेज से है, जो आमतौर पर 100% के निकट होता है।
 - यूनेस्को साक्षरता को केवल पढ़ने, लिखने और गिनने की क्षमता तक सीमित नहीं मानता, बल्कि इसे एक निरंतर विकसित होने वाला कौशल मानता है, जिसमें पहचानना, समझना तथा संप्रेषण करना शामिल है।
 - आधुनिक संदर्भ में यह डिजिटल, मीडिया तथा रोजगार-विशेष कौशलों तक विस्तारित हो चुका है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025UPSC
क्लासरूम
कोर्सेसIAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्सदृष्टि लर्निंग
ऐप

नोट :

♦ साक्षरता बढ़ाने हेतु सरकारी रणनीतियाँ:

- ④ उल्लास ((समाज में सभी के लिये आजीवन शिक्षा को समझना)
- ④ राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020
- ④ नव भारत साक्षरता कार्यक्रम
- ④ प्रौद्योगिकी संबद्धित अधिगम पर राष्ट्रीय कार्यक्रम (NPTEL)
- ④ सर्व शिक्षा अभियान प्रज्ञाता
- ④ राष्ट्रीय साक्षरता मिशन (NLM)

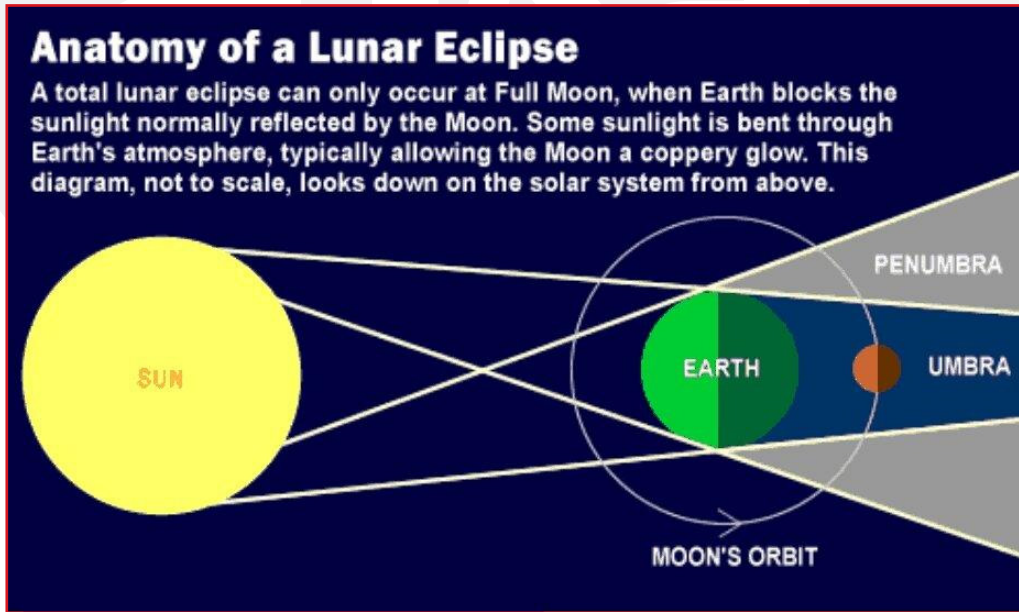
ब्लड मून

चर्चा में क्यों ?

8 सितंबर 2025 को एशिया, ऑस्ट्रेलिया तथा अफ्रीका के कुछ क्षेत्रों में **ब्लड मून** (पूर्ण चंद्र ग्रहण) देखा गया, जिसमें पृथ्वी की छाया ने चंद्रमा को गहरे लाल रंग में परिवर्तित कर दिया।

- ♦ यह मार्च 2025 के बाद वर्ष का दूसरा पूर्ण चंद्र ग्रहण था, जो 82 मिनट की पूर्णता के साथ पाँच घंटे से अधिक समय तक चला।
- ♦ **सूर्य ग्रहण** के विपरीत, चंद्र ग्रहण को नंगी आँखों से देखना सुरक्षित है।

मुख्य बिंदु



- ♦ **चंद्र ग्रहण:** चंद्र ग्रहण तब घटित होता है जब सूर्य, पृथ्वी और चंद्रमा एक सीधी रेखा में आ जाते हैं तथा पृथ्वी बीच में स्थित होती है। इससे सूर्य का प्रकाश सीधे चंद्रमा तक नहीं पहुँच पाता।

दृष्टि आईएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



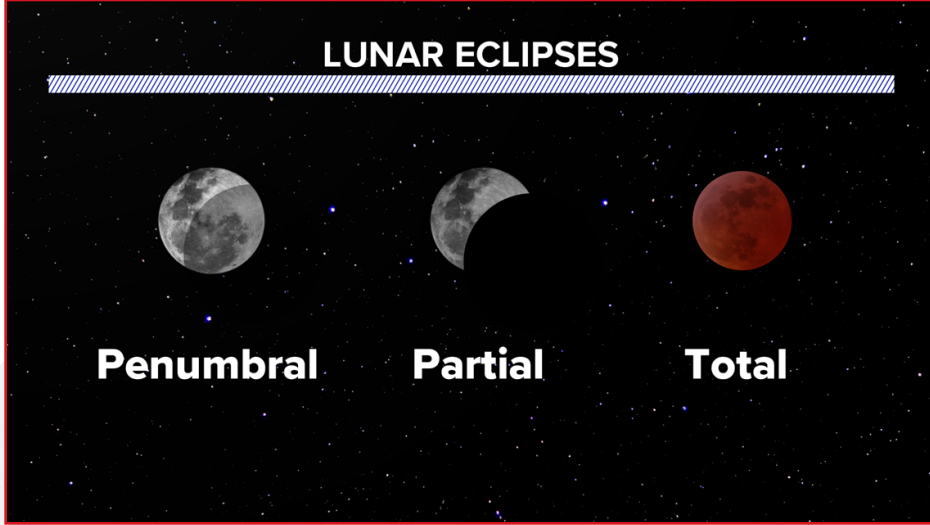
IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



- ❖ **पूर्ण चंद्र ग्रहण:** जब चंद्रमा पृथ्वी की आंतरिक और सबसे गहन छाया (*Umbra*) से होकर गुजरता है, तो वह गहरे धुंधले अथवा लाल रंग का प्रतीत होता है।
- ❖ **आंशिक ग्रहण:** जब चंद्रमा का केवल कुछ भाग प्रतिछाया से होकर गुजरता है।
- ❖ **अर्द्धछाया ग्रहण:** जब चंद्रमा केवल पृथ्वी की बाहरी छाया (*पेनम्ब्रा*) में प्रवेश करता है। इसमें प्रकाश का मंद पड़ना बहुत सूक्ष्म होता है और प्रायः स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं देता।



- ❖ **“ब्लड मून” प्रभाव:**
 - ❶ **ब्लड मून** प्रभाव इसलिये होता है क्योंकि पृथ्वी का वायुमंडल सूर्य के प्रकाश को चंद्रमा तक पहुँचने से पहले ही अवरोध कर देता है। जब प्रकाश वायुमंडल से होकर गुजरता है, तो
 - ❶ नीला प्रकाश सरलता से विसरित जाता है (इसी कारण आकाश नीला दिखाई देता है)।
 - ❶ लाल प्रकाश पृथ्वी के चारों ओर मुड़कर चंद्रमा तक पहुँचता है, जिससे पूर्ण ग्रहण के दौरान चंद्रमा लाल अथवा ताँबे के रंग का होता जाता है।
 - ❶ चमकदार लाल चंद्रमा शुद्ध एवं कम प्रदूषित वायु का सूचक है।
 - ❶ गहरा लाल चंद्रमा वायु में अधिक धूल, राख अथवा प्रदूषण की उपस्थिति को दर्शाता है।
- ❖ **वैज्ञानिक संबंध**
 - ❶ **ब्लड मून** की घटना के पीछे वही प्रक्रिया कार्य करती है, जो आकाश तथा सूर्यास्त को रंग प्रदान करती है: **रेले प्रकीर्णन** (*Rayleigh Scattering*), जिसकी व्याख्या भौतिक विज्ञानी **जॉन विलियम स्ट्रट, तृतीय बैरन रेले** ने की थी।
 - ❶ **दिवाकालीन आकाश:** कम तरंग दैर्ध्य वाली नीली रोशनी सभी दिशाओं में प्रकीर्णित हो जाती है, जिसके कारण आकाश नीला दिखाई देता है।
 - ❶ **सूर्योदय और सूर्यास्त:** इस समय सूर्य का प्रकाश वायुमंडल की मोटी परतों से होकर गुजरता है, जिससे नीला प्रकाश प्रकीर्णित होकर नष्ट हो जाता है। परिणामस्वरूप लंबी तरंग दैर्ध्य वाला प्रकाश (लाल, नारंगी और पीला) आकाश को रंग प्रदान करता है।
 - ❶ **चंद्र ग्रहण के समय,** चंद्रमा पृथ्वी के वायुमंडल से होकर गुजरती सारी सूर्यास्त की किरणों में घिरा प्रतीत होता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



इष्टि लर्निंग
ऐप



नोट :

विश्व ड्यूशेन मस्कलर डिस्ट्रॉफी दिवस

चर्चा में क्यों ?

भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के अंतर्गत **दिव्यांगजन सशक्तीकरण** विभाग (DEPwD) प्रत्येक वर्ष 7 सितंबर को **विश्व ड्यूशेन मस्कलर डिस्ट्रॉफी दिवस** मनाता है।

मुख्य बिंदु

- ♦ **संयुक्त राष्ट्र महासभा** ने वर्ष 2024 से प्रत्येक 7 सितंबर को **विश्व ड्यूशेन जागरूकता दिवस** के रूप में नामित किया।
- ♦ इस दिवस का उद्देश्य प्रभावित व्यक्तियों एवं परिवारों के प्रति वैश्विक **एकजुटता, सहानुभूति और जागरूकता** को बढ़ावा देना है।
- ♦ **थीम:** वर्ष 2025 की थीम **“परिवार: देखभाल का केंद्र”** है।
 - ⦿ यह थीम DMD प्रभावित व्यक्तियों के लिये परिवारों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देती है।
 - ⦿ यह प्रेम, सहयोग और धैर्य के साथ-साथ समावेशन, जागरूकता एवं सामुदायिक सहयोग को भी रेखांकित करती है।

ड्यूशेन मस्कलर डिस्ट्रॉफी (DMD)

- ♦ DMD एक दुर्लभ और प्रगतिशील **आनुवंशिक विकार** है, जो **एक्स गुणसूत्र** में उत्परिवर्तन के कारण होता है। इसके चलते मांसपेशियों की रक्षा करने वाले प्रोटीन **डिस्ट्रोफिन** का उत्पादन नहीं हो पाता।
- ♦ इस रोग का नाम **डॉ. ड्यूशेन डी बोलोगने** के नाम पर रखा गया है, जिन्होंने 1860 के दशक में इसका विस्तार से वर्णन किया था।
- ♦ यह मुख्यतः **पुरुषों को प्रभावित** करता है क्योंकि उनके पास केवल एक X गुणसूत्र होता है।
- ♦ **लक्षण:**
 - ⦿ प्रारंभिक अवस्था में चलने-फिरने में कठिनाई।
 - ⦿ धीरे-धीरे गतिशील क्रियाओं की शक्ति क्षीण होती जाती है।
 - ⦿ समय के साथ श्वसन क्षमता प्रभावित होती है और हृदय (जो स्वयं एक मांसपेशी है) पर भी प्रभाव पड़ता है।
- ♦ **मस्तिष्क पर प्रभाव:** डिस्ट्रोफिन मस्तिष्क की कार्यप्रणाली में भी भूमिका निभाता है, जिसके कारण प्रभावित बच्चों में **सीखने और व्यवहार संबंधी चुनौतियाँ** उत्पन्न हो सकती हैं।
- ♦ **निदान:** विश्व स्तर पर DMD का निदान प्रायः **4 वर्ष की आयु के बाद** होता है। हालाँकि, माता-पिता लक्षण पहले ही पहचान लेते हैं, लेकिन औसतन **2.5 वर्ष की देरी** से निदान होता है। कुछ लक्षण अत्यंत छोटे बच्चों में भी दिखाई देने लगते हैं।

ज्ञान भारतम पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

चर्चा में क्यों ?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में आयोजित **ज्ञान भारतम पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन** में भाग लिया तथा **ज्ञान भारतम पोर्टल** लॉन्च किया।

- ♦ यह एक समर्पित **डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म** है, जिसका उद्देश्य भारत की विशाल **पांडुलिपि विरासत** के डिजिटलीकरण, संरक्षण और सार्वजनिक पहुँच को बढ़ावा देना है।

दृष्टि आईएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



मुख्य बिंदु

ज्ञान भारतम पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

- ❖ उद्देश्य: सम्मेलन का उद्देश्य भारत की पांडुलिपि विरासत को पुनर्जीवित करना तथा उसे वैश्विक ज्ञान विमर्श के केंद्र में स्थापित करना था।
- ❖ आयोजन अवधि: यह तीन दिवसीय सम्मेलन 11 से 13 सितंबर, 2025 तक आयोजित हुआ, जिसका विषय था “पांडुलिपि विरासत के माध्यम से भारत की ज्ञान विरासत को पुनः प्राप्त करना”, जो दिल्ली घोषणा-पत्र को अपनाने के साथ संपन्न हुआ।
 - ⦿ यह अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन स्वामी विवेकानंद के वर्ष 1893 में शिकागो में विश्व धर्म संसद में दिये गये ऐतिहासिक भाषण की 132वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित हुआ।
- ❖ सम्मेलन में दुर्लभ पांडुलिपियों की एक प्रदर्शनी आयोजित की गई, साथ ही संरक्षण और डिजिटलीकरण पर विद्वानों की प्रस्तुतियाँ भी दी गईं।
- ❖ मुख्य विषय: कार्यकारी समूहों ने प्राचीन लिपियों की व्याख्या, सर्वेक्षण और दस्तावेजीकरण, डिजिटलीकरण उपकरण, संरक्षण तथा पुनर्स्थापन तथा कानूनी एवं नैतिक मुद्दों जैसे विषयों पर चर्चा की।

ज्ञान भारतम परियोजना

- ❖ ज्ञान भारतम मिशन के रूप में आरंभ की गई यह पहल, संस्कृति मंत्रालय के अधीन रहेगी तथा इसका मुख्यालय नई दिल्ली में स्थापित होगा।
- ❖ उद्देश्य: एक ऐसे संस्थान की स्थापना करना, जो भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (ASI) की तरह कार्य करे, किंतु लक्ष्य पांडुलिपियों के संरक्षण और व्याख्या पर हो।
 - ⦿ इसका उद्देश्य एक करोड़ से अधिक पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण करना तथा निर्बाध समन्वय के लिये सभी राज्यों में क्षेत्रीय केंद्र स्थापित करना भी है।
- ❖ प्रतिस्थापन: ज्ञान भारतम, वर्ष 2003 में शुरू किये गये राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन का स्थान लेगा, ताकि भारत में पांडुलिपि संरक्षण को संस्थागत और सतत ढाँचा प्रदान किया जा सके।
- ❖ वित्तपोषण: वर्ष 2025-26 के केंद्रीय बजट में घोषित इस परियोजना के लिये प्रारंभिक निधि 400 करोड़ रुपये आवंटित की गई है।

IIM अहमदाबाद ने पहला विदेशी कैंपस खोला

चर्चा में क्यों ?

- दुबई के क्राउन प्रिंस शेख हमदान बिन मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम ने दुबई इंटरनेशनल एकेडमिक सिटी (DIAC) में भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद (IIM-A) के पहले विदेशी कैंपस का उद्घाटन किया।
- ❖ एक अन्य पहल में, भारत के केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने IIT दिल्ली अबू धाबी में अटल इनक्यूबेशन सेंटर (AIC) का उद्घाटन किया, जो किसी भारतीय संस्थान द्वारा आयोजित पहला विदेशी AIC है।

मुख्य बिंदु

- ❖ कैंपस के बारे में:
 - ⦿ IIM-A दुबई कार्यरत पेशेवरों और उद्यमियों के लिये पूर्णकालिक एक वर्षीय MBA के साथ सितंबर के अंत तक अपनी शैक्षणिक गतिविधियाँ आरंभ कर देगा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



- भारत के केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने भारतीय संस्थानों जैसे मणिपाल विश्वविद्यालय, सिम्बायोसिस विश्वविद्यालय, BITS पिलानी और एमिटी विश्वविद्यालय, जिन्होंने दुबई में अपने कैंपस स्थापित किये हैं के अधिकारियों के साथ एक गोलमेज चर्चा भी की तथा शोध को कागजों से उत्पादों तक ले जाने की आवश्यकता को रेखांकित किया।
- उन्होंने UAE में 109 भारतीय स्कूलों के प्रधानाचार्यों के साथ भी संवाद किया (अन्य वर्चुअली जुड़े) और घोषणा की कि 12 UAE स्कूलों में **अटल टिकरिंग लैब्स (ATLs)** स्थापित की जाएंगी ताकि छात्रों में नवाचार को बढ़ावा दिया जा सके।

अटल इनोवेशन मिशन (AIM):

- ◆ यह भारत सरकार की पहल है, जिसका उद्देश्य **नवाचार और उद्यमशीलता** की संस्कृति को प्रोत्साहित करना है।
- ◆ AIM के मुख्य उद्देश्यों के तहत नए अटल इनक्यूबेशन सेंटर (AICs) स्थापित किये जाते हैं, जो **नवोन्मेषी स्टार्ट-अप** को विस्तार योग्य और सतत उद्यम बनने में समर्थन देते हैं।
- ◆ अटल टिकरिंग लैब्स (ATLs) स्कूलों में (कक्षा 6-12) छात्रों में नवाचार को बढ़ावा देने के लिये 3D प्रिंटिंग जैसे उपकरणों का उपयोग करती हैं।

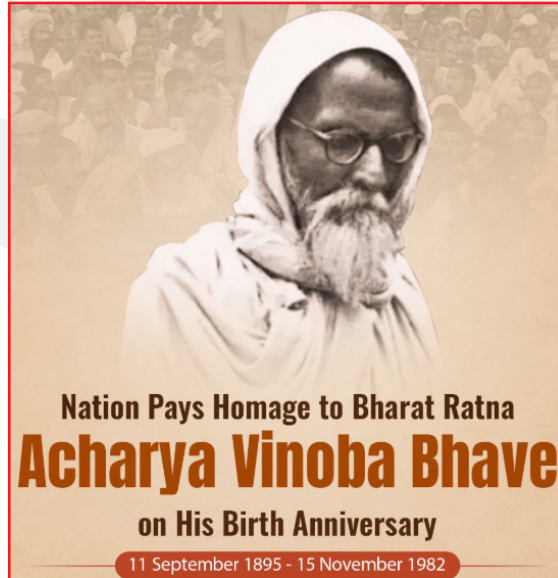
विनोबा भावे जयंती

चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने **आचार्य विनोबा भावे की जयंती** पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की तथा भारत के आध्यात्मिक, सामाजिक और राजनीतिक परिदृश्य में उनके अद्वितीय योगदान को रेखांकित किया।

मुख्य बिंदु

- ◆ आचार्य विनोबा भावे के बारे में:



दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



- विनायक नरहरि भावे का जन्म 11 सितंबर, 1895 को गागोडे, बॉम्बे प्रेसीडेंसी (वर्तमान महाराष्ट्र) में हुआ था।
- वह एक स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक और आध्यात्मिक शिक्षक थे, जो **महात्मा गांधी** के अहिंसा तथा समानता के सिद्धांतों से बहुत प्रभावित थे।

❖ पुरस्कार एवं सम्मान:

- विनोबा भावे वर्ष 1958 में **रेमन मैग्सेसे पुरस्कार** प्राप्त करने वाले पहले भारतीय थे, जिन्हें यह अंतर्राष्ट्रीय सम्मान मिला।
- उन्हें वर्ष 1983 में मरणोपरांत **भारत रत्न** (भारत का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार) से भी सम्मानित किया गया था।

❖ गांधी के साथ जुड़ाव:

- विनोबा भावे ने 7 जून, 1916 को गांधी से मुलाकात की और आश्रम में निवास किया।
- आश्रम के एक सदस्य मामा फड़के ने उन्हें विनोबा (एक पारंपरिक मराठी विशेषण जो महान सम्मान का प्रतीक है) नाम दिया था।
- 8 अप्रैल, 1921 को विनोबा भावे, गांधी के निर्देशों के तहत वर्धा में एक **गांधी-आश्रम का प्रभार** लेने के लिये गए।
 - ❖ वर्धा में अपने प्रवास के दौरान वर्ष 1923 में उन्होंने मराठी में एक मासिक '**महाराष्ट्र धर्म**' का प्रकाशन किया, जिसमें उपनिषदों पर उनके निबंध प्रकाशित किये गए थे।

❖ स्वतंत्रता संग्राम में भूमिका:

- उन्होंने **असहयोग आंदोलन** के कार्यक्रमों में भाग लिया और विशेष रूप से आयातित विदेशी वस्तुओं के स्थान पर स्वदेशी वस्तुओं के प्रयोग का आह्वान किया।
- वर्ष 1940 में उन्हें भारत में गांधीजी द्वारा ब्रिटिश राज के खिलाफ **पहले व्यक्तिगत सत्याग्रही** (सामूहिक कार्रवाई के बजाय सत्य के लिये खड़े होने वाले व्यक्ति) के रूप में चुना गया था।
- उन्हें आचार्य (शिक्षक) की सम्मानित उपाधि दी गई थी।

❖ भूदान आंदोलन:

- वर्ष 1951 में विनोबा भावे ने तेलंगाना के हिंसाग्रस्त क्षेत्र से पैदल अपनी शांति यात्रा शुरू की।
- वर्ष 1951 में **तेलंगाना के पोचमपल्ली (Pochampalli) गाँव** के हरिजनों ने उनसे जीविकोपार्जन के लिये लगभग 80 एकड़ भूमि प्रदान कराने का अनुरोध किया।
- विनोबा ने गाँव के जमींदारों को आगे आने और हरिजनों को संरक्षित करने के लिये कहा।
 - ❖ उसके बाद एक जमींदार ने आगे बढ़कर आवश्यक भूमि प्रदान करने की पेशकश की।
 - ❖ यह भूदान (भूमि का उपहार) आंदोलन की शुरुआत थी।
- यह आंदोलन 13 वर्षों तक जारी रहा और इस दौरान विनोबा भावे ने देश के विभिन्न हिस्सों (कुल 58,741 किलोमीटर की दूरी) का भ्रमण किया।

दृष्टि आईएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



- वह लगभग 44 लाख एकड़ भूमि एकत्र करने में सफल रहे, जिसमें से लगभग 13 लाख एकड़ भूमि को गरीब, भूमिहीन किसानों के बीच वितरित किया गया।
- साहित्यिक रचना:
 - उनकी महत्वपूर्ण पुस्तकों में स्वराज्य शास्त्र, गीता प्रवचन और तीसरी शक्ति आदि शामिल हैं।

ग्रीन हाइड्रोजन अनुसंधान एवं विकास सम्मेलन

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी ने नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (MNRE) द्वारा आयोजित प्रथम वार्षिक ग्रीन हाइड्रोजन अनुसंधान एवं विकास सम्मेलन का उद्घाटन किया।

मुख्य बिंदु

- सम्मेलन के बारे में:
 - यह सम्मेलन 11 से 12 सितंबर, 2025 को नई दिल्ली में आयोजित किया गया, जिसमें विशेषज्ञ सत्र, इंटरैक्टिव गोलमेज बैठकें और भारत की हरित ऊर्जा क्रांति को आगे बढ़ाने वाली 25 अग्रणी कंपनियों के साथ एक स्टार्ट-अप एक्सपोजे शामिल था।
 - इस कार्यक्रम में 25 स्टार्ट-अप्स ने इलेक्ट्रोलाइजर निर्माण, AI-संचालित अनुकूलन और जैविक हाइड्रोजन समाधान के क्षेत्र में अपनी सफलताओं का प्रदर्शन किया।
 - हाइड्रोजन प्रौद्योगिकियों में नवाचार को बढ़ावा देने वाले स्टार्ट-अप्स का समर्थन करने के लिये 100 करोड़ रुपये के प्रस्ताव आमंत्रण (Call for Proposals) भी जारी किये गए।
 - इस योजना के तहत प्रत्येक परियोजना को 5 करोड़ रुपये तक की राशि प्रदान की जाएगी, जो हाइड्रोजन के उत्पादन, भंडारण, परिवहन और उपयोग से संबंधित पायलट पहल के लिये प्रयोग की जा सकेगी।

भारत का ग्रीन हाइड्रोजन पारिस्थितिकी तंत्र

- बंदरगाह: तमिलनाडु के वी.ओ. चिदंबरनार बंदरगाह पर भारत की पहली बंदरगाह-आधारित पायलट परियोजना।
- इस्पात: हाइड्रोजन-चालित डीकार्बोनाइजेशन को प्रदर्शित करने वाली पाँच पायलट परियोजनाएँ।
- शिपिंग: तूतीकोरिन बंदरगाह पर रेट्रोफिट जहाज और ईंधन भरने की सुविधाएँ।
- परिवहन: हाइड्रोजन बसें और ईंधन भरने वाले स्टेशन कार्यरत हैं।
- उर्वरक: पहली बार हरित अमोनिया नीलामी में रिकॉर्ड निम्न मूल्य का खुलासा हुआ, जिसकी आपूर्ति ओडिशा के पारादीप फॉस्फेट्स से शुरू हुई।
- हाइड्रोजन हब: कांडला, पारादीप और तूतीकोरिन बंदरगाहों पर समर्पित हाइड्रोजन हब का विकास किया जा रहा है।
- मिशन: राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन (NGHM) वर्ष 2023 में 19,744 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ शुरू किया गया था।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप





नोडल मंत्रालय

- ▶ नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय

NGHM के घटक

- ▶ ग्रीन हाइड्रोजन ट्रंजिशन प्रोग्राम के लिये रणनीतिक क्रियाकलाप (SIGHT)
- ▶ रणनीतिक हाइड्रोजन नवाचार भागीदारी (SHIP) (अनुसंधान एवं विकास के लिये सार्वजनिक-निजी भागीदारी)

GH2 वर्तमान में व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य नहीं है; भारत में वर्तमान लागत लगभग 350-400/किग्रा है। राष्ट्रीय हाइड्रोजन ऊर्जा मिशन का लक्ष्य इसे 100/किग्रा के नीचे लाना है।

उद्देश्य

- ▶ ऊर्जा/उद्योग/मोबिलिटी क्षेत्र को डीकार्बोनाइज (कार्बन मुक्त) करना
- ▶ स्वदेशी निर्माण क्षमता विकसित करना
- ▶ GH2 और इसके व्युत्पन्नों के लिये निर्यात के अवसर सृजित करना

वर्ष 2030 तक अपेक्षित परिणाम

- ◆ प्रति वर्ष कम-से-कम 5 MMT (मिलियन मीट्रिक टन) हरित हाइड्रोजन (GH2) का उत्पादन
- ◆ जीवाश्म ईंधन के आयात में एक लाख करोड़ रुपए से अधिक की बचत
- ◆ छह लाख से अधिक रोजगार
- ◆ वार्षिक CO2 उत्सर्जन में लगभग 50 MMT की कमी
- ◆ ₹ 8 लाख करोड़ से अधिक का कुल निवेश

हाइड्रोजन तथा हरित हाइड्रोजन

- ◆ हाइड्रोजन प्रकृति में सबसे प्रचुर मात्रा में पाया जाने वाला तत्व है लेकिन यह अन्य तत्वों के साथ संयोजन में ही मौजूद होता है। इसे प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले यौगिकों (जैसे जल) से अलग किया जाता है।
- ◆ अक्षय/नवीकरणीय ऊर्जा (RE) द्वारा संचालित विद्युत अपघटनी/इलेक्ट्रोलाइजर का उपयोग करके इलेक्ट्रोलाइसिस/विद्युत अपघटन नामक विद्युत प्रक्रिया के माध्यम से जल के विभाजन द्वारा ग्रीन हाइड्रोजन (GH2) बनाया जाता है।



दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्स



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



नोट :

विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2025

चर्चा में क्यों ?

लिवरपूल में आयोजित **महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2025** में भारतीय मुक्केबाज **जैस्मीन लंबोरिया** ने पेरिस ओलंपिक की रजत पदक विजेता **जूलिया जेरेमेटा** को हराकर **फेदरवेट (57 किग्रा)** का **खिताब** हासिल किया।

♦ उनके साथ, **मीनाक्षी हुड्डा** ने भी 48 किग्रा में **स्वर्ण पदक** जीता, जो विदेश में आयोजित **विश्व चैंपियनशिप** में भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

मुख्य बिंदु

♦ जैस्मीन लंबोरिया:

- उन्होंने अपने तीसरे विश्व चैंपियनशिप में पोलैंड की **जूलिया सेरेमेटा** को 4-1 से हराकर अपना **पहला पदक** जीता है और विश्व खिताब जीतने वाली वह **नौवीं भारतीय मुक्केबाज** बन गई हैं।
- वह छह बार की विजेता **मैरी कॉम** (वर्ष 2002, 2005, 2006, 2008, 2010 और 2018), दो बार की विजेता **निखत जरीन** (2022 और 2023), **सरिता देवी** (2006), **जेनी आरएल** (2006), **लेखा केसी** (2006), **नितु घनघास** (2023), **लवलीना बोगोहेन** (2023) और **स्वीटी बूड़ा** (2023) की प्रतिष्ठित सूची में शामिल हो गई।
- उन्होंने पेरिस ओलंपिक (2024) में पहले दौर से बाहर होने के निराशा को पीछे छोड़ते हुए यह सफलता प्राप्त की।
- इससे पूर्व, उन्होंने एशियाई चैंपियनशिप (2021) में **कांस्य पदक**, **राष्ट्रमंडल खेलों** (2022) में **पदक** और **वर्ल्ड कप 2024**, **अस्ताना** में **स्वर्ण पदक** जीता था।

♦ मीनाक्षी हुड्डा की जीत:

- मीनाक्षी ने जुलाई, 2025 में हुई अपनी अस्ताना वर्ल्ड कप हार का बदला लेते हुए महिला 48 किग्रा फाइनल (गैर-ओलंपिक श्रेणी) में **स्वर्ण पदक** जीता।
- उन्होंने कजाखस्तान की तीन बार की विश्व चैंपियन और **पेरिस ओलंपिक** की **कांस्य पदक** विजेता **नाज़िम काइज़ेबे** को हराया।
- उन्होंने इससे पहले वर्ष 2022 में 52 किग्रा में **एशियाई रजत पदक** जीता था।

♦ अन्य पदक विजेता:

- **नूपुर श्योराण (+80 किग्रा)**: पोलैंड की अगाता काकज़मरस्का को मात्र 2-3 के अंतर से हराकर रजत पदक जीता।
- **पूजा रानी (80 किग्रा)**: सेमीफाइनल में इंग्लैंड की **एमिली एस्क्वथ** को हराकर **कांस्य पदक** जीता।

♦ **महत्त्व**: भारत ने विश्व चैंपियनशिप में अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, जिसमें दो स्वर्ण, एक रजत और एक **कांस्य पदक** जीतकर महिला मुक्केबाजी में अपनी स्थिति को तथा **सुदृढ़** किया।

दृष्टि आईएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप





महिला हॉकी एशिया कप 2025

चर्चा में क्यों ?

प्रधानमंत्री ने **महिला एशिया कप 2025** में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये भारतीय महिला हॉकी टीम को बधाई दी, जिन्होंने रजत पदक जीतकर देश का मान बढ़ाया।

मुख्य बिंदु

- महिला एशिया कप के विषय में:



दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



नोट :

- ❖ चीन की महिला हॉकी टीम ने हांगजो में आयोजित एशिया कप 2025 के फाइनल में भारत को 4-1 से हराकर जीत हासिल की।
 - ⦿ इस जीत के साथ, चीन ने बेल्जियम और नीदरलैंड में आयोजित होने वाले हॉकी विश्व कप 2026 के लिये क्वालीफाई कर लिया।
- ❖ यह चीन का तीसरा एशिया कप खिताब है; इससे पहले वह वर्ष 1989 (हॉन्गकॉन्ग) और वर्ष 2009 (बैंकॉक) में विजेता रह चुका है।
- ❖ इस एशिया कप में भारत ने रजत पदक तथा जापान ने कांस्य पदक जीता।
- ❖ हालाँकि भारत को अब हॉकी विश्व कप 2026 में अपना स्थान सुरक्षित करने के लिये विश्व कप क्वालीफायर से गुजरना होगा।
- ❖ भारत का पूर्व प्रदर्शन:
 - ⦿ टोक्यो ओलंपिक 2020: चौथे स्थान पर समापन।
 - ⦿ पेरिस ओलंपिक 2024: अर्हता प्राप्त करने में असफल।
 - ⦿ प्रो लीग: संघर्षपूर्ण प्रदर्शन, अंतिम स्थान पर रहकर निम्न रैंक मिली।
 - ⦿ एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2024: विजेता

राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन- रबी अभियान 2025

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा पूसा, नई दिल्ली में दो दिवसीय 'राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन- रबी अभियान 2025' का आयोजन किया जा रहा है।

मुख्य बिंदु

- ❖ सम्मेलन के बारे में:
 - ⦿ यह पहली बार है जब केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की पहल पर रबी सम्मेलन दो दिवसीय कार्यक्रम के रूप में आयोजित किया जा रहा है।
 - ⦿ थीम: सम्मेलन की थीम 'वन नेशन - वन एग्रीकल्चर - वन टीम' है, जिसका उद्देश्य भारत के कृषि क्षेत्र में समन्वित प्रयासों और साझेदारियों को बढ़ावा देना है।
- ❖ उद्देश्य:
 - ⦿ सम्मेलन का मुख्य लक्ष्य रबी सीजन 2025-26 के लिये तैयारियों, उत्पादन लक्ष्यों और रणनीतियों पर विचार-विमर्श करना है, ताकि आगामी कृषि सीजन के लिये व्यापक योजना सुनिश्चित हो सके।
 - ⦿ भारत की कृषि वृद्धि दर वर्तमान में 3.7% है, जो वैश्विक स्तर पर सर्वाधिक है। इसका श्रेय किसानों, वैज्ञानिकों और सरकार की किसान-हितैषी नीतियों के संयुक्त प्रयासों को दिया जाता है।
- ❖ लक्षित क्षेत्र:
 - ⦿ कृषि विस्तार कार्य के महत्त्व पर जोर दिया जाएगा तथा ज़मीनी स्तर की रणनीतियों में सुधार के लिये केंद्र सरकार, राज्य कृषि विभागों, कृषि विश्वविद्यालयों और अन्य संबंधित संस्थानों द्वारा संयुक्त कार्यक्रमों का आह्वान किया जाएगा।
 - ⦿ मंत्री ने नकली उर्वरक, बीज और कीटनाशक बेचने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने तथा किसानों के हितों की रक्षा हेतु केवल मानक जैव-उत्तेजक उत्पाद की बिक्री सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



❖ मौसम पूर्वानुमान और फसल बीमा:

- मौसम की संरचना में बढ़ती अनिश्चितता को देखते हुए फसल बीमा कवरेज का विस्तार किया जाना आवश्यक है, विशेषकर किसानों को राहत सुनिश्चित करने के लिये **प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना** पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिये।

❖ भावी कृषि अनुसंधान:

- भविष्य के कृषि अनुसंधान का ध्यान किसानों की वास्तविक समस्याओं को हल करने पर होना चाहिये, न कि केवल सैद्धांतिक शोधपत्र प्रकाशित करने पर।
- खेती की चुनौतियों का समाधान करने के लिये अक्टूबर 2025 में 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' चलाया जाएगा।

31वाँ विश्व ओजोन दिवस

चर्चा में क्यों ?

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEF&CC) ने 16 सितंबर, 2025 को नई दिल्ली में 31वें **विश्व ओजोन दिवस** का आयोजन किया।

मुख्य बिंदु

❖ विश्व ओजोन दिवस के बारे में:

- यह दिवस प्रत्येक वर्ष 16 सितंबर को मनाया जाता है। यह वर्ष 1987 में **मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल** पर हस्ताक्षर करने का स्मृति दिवस है, जो एक महत्वपूर्ण अंतराष्ट्रीय संधि है और इसका उद्देश्य **ओजोन क्षयकारी पदार्थों (ODS)** के उत्पादन एवं उपभोग को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करना है।
- वर्ष 2025 का विषय, 'विज्ञान से वैश्विक कार्रवाई तक' (From Science to Global Action), पृथ्वी और उसके भविष्य की रक्षा के लिये नीति निर्माण तथा अंतराष्ट्रीय सहयोग में वैज्ञानिक खोज की शक्ति पर जोर देता है।

ओजोन

- ❖ पृथ्वी की सतह से 10-40 किमी. ऊँचाई पर **समतापमंडल (stratosphere)** में स्थित ओजोन परत हमें हानिकारक UV विकिरण से बचाती है।
- ❖ इस सुरक्षात्मक परत को **स्ट्रैटोस्फेरिक ओजोन** या **अच्छा ओजोन** कहा जाता है। यह नेत्र रोग (मोतियाबिंद), **त्वचा कैंसर** जैसी स्वास्थ्य समस्याओं से बचाती है और **कृषि, वानिकी** तथा समुद्री जीवन की सुरक्षा करती है।
- हालाँकि, मानव निर्मित **ओजोन क्षयकारी पदार्थों** समताप मंडल में ओजोन का क्षरण कर रहे हैं।
- ❖ अंतराष्ट्रीय समुदाय ने कार्रवाई की आवश्यकता को पहचानते हुए वर्ष 1985 में **वियना कन्वेंशन** और वर्ष 1987 में **मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल** पारित किये।
- ❖ **हाइड्रोफ्लोरोकार्बन (HFCs)** को मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल में शामिल करने से **किगाली समझौता** हुआ, जिसे भारत ने सितंबर 2021 में अनुमोदित किया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



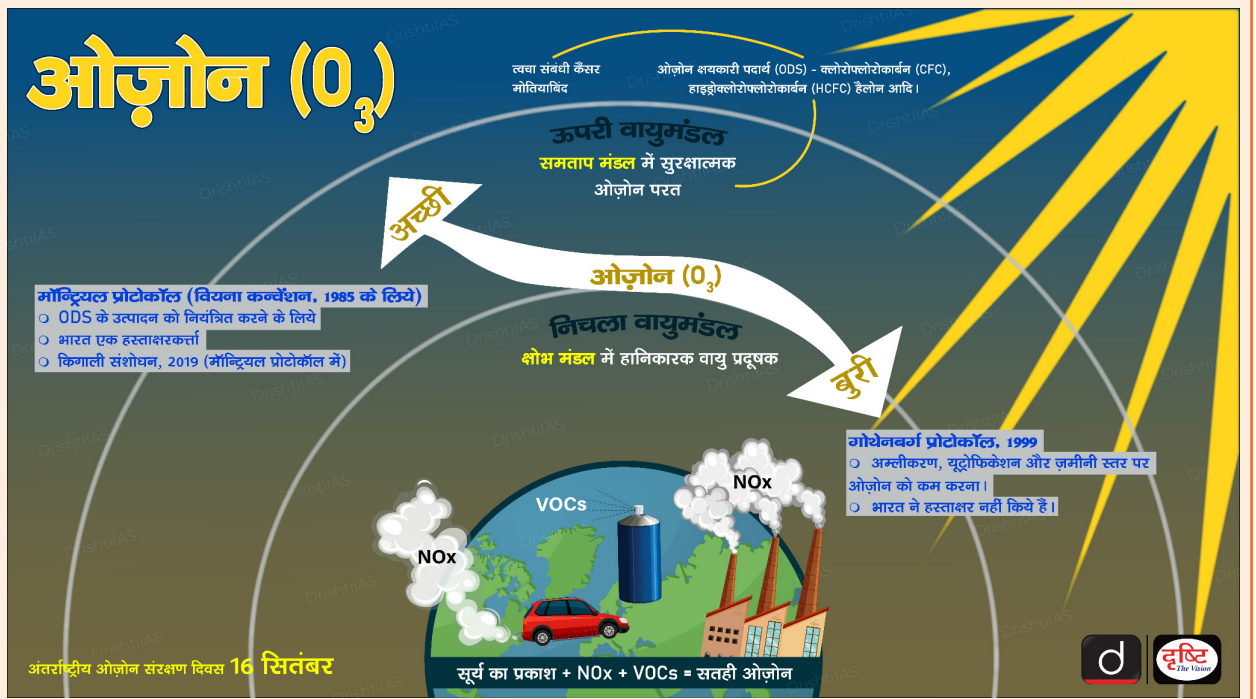
IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



नोट:



क्षोभमंडलीय ओज़ोन

- ◆ क्षोभमंडलीय या **जमीनी स्तर का ओज़ोन**, जिसे खराब ओज़ोन भी कहा जाता है, एक अल्पकालिक जलवायु प्रदूषक है, जो वायुमंडल में केवल कुछ घंटों से लेकर कुछ सप्ताह तक ही रहता है।
- ◆ इसका कोई प्रत्यक्ष उत्सर्जन स्रोत नहीं है, बल्कि यह एक यौगिक है जो **वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों (Volatile Organic Compounds- VOC)** के साथ सूर्य के प्रकाश और नाइट्रोजन ऑक्साइड (NOX), जो बड़े पैमाने पर मानव गतिविधियों के कारण उत्सर्जित होते हैं, की परस्पर क्रिया से बनता है, इसमें **मीथेन** भी शामिल है।

वैशाली रमेशबाबू ने FIDE महिला ग्रैंड स्विस जीता

चर्चा में क्यों ?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उज़्बेकिस्तान के समरकंद में आयोजित **FIDE महिला ग्रैंड स्विस 2025** में उल्लेखनीय जीत पर **भारतीय ग्रैंडमास्टर वैशाली रमेशबाबू** को बधाई दी।

मुख्य बिंदु

- ◆ वैशाली रमेशबाबू ने 40,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि जीती और **कैंडिडेट्स टूर्नामेंट 2026** में स्थान सुरक्षित किया, जो आगामी **महिला विश्व शतरंज चैंपियनशिप** के लिये अगले दावेदार का निर्धारण करेगा।

दृष्टि आईएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट
अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



- ❖ वैशाली इस इवेंट को दो बार जीतने वाली पहली खिलाड़ी बन गई हैं।
- ❖ इस उपलब्धि के साथ वैशाली कोनेरु हंपी और दिव्या देशमुख के साथ तीसरी भारतीय महिला बनीं जिन्होंने कैंडिडेट्स टूर्नामेंट 2026 के लिये क्वालीफाई किया।
- ❖ कैंडिडेट्स टूर्नामेंट वर्तमान महिला विश्व शतरंज चैंपियन चीन की वेनजुन जू के लिये दावेदार का निर्धारण करेगा, जिसमें चीन, रूस और भारत की खिलाड़ी पहले ही स्थान सुरक्षित कर चुकी हैं।
- ❖ अपने पूर्व प्रदर्शन में, वैशाली ने मई 2025 में नॉर्वे महिला शतरंज टूर्नामेंट में पाँचवाँ स्थान प्राप्त किया था किंतु महिला विश्व कप में क्वार्टर फाइनल में टैन झोंगयी से पराजित हो गई थीं।



FIDE ग्रैंड स्विस

- ❖ FIDE ग्रैंड स्विस, जिसकी शुरुआत वर्ष 2019 में हुई (महिला आयोजन 2021 से प्रारंभ हुआ), विश्व शतरंज चैंपियनशिप चक्र का एक प्रमुख टूर्नामेंट है।
- ❖ यह टूर्नामेंट स्विस प्रणाली पर आधारित 11 राउंड के साथ द्विवार्षिक रूप से आयोजित किया जाता है और इसमें शीर्ष वैश्विक खिलाड़ी भाग लेते हैं। इसे शतरंज की सबसे कठिन तथा अप्रत्याशित प्रतियोगिताओं में से एक माना जाता है।
- ❖ इसकी खुली प्रकृति के कारण, दोनों श्रेणियों में शीर्ष दो स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी सीधे विश्व कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिये अर्हता प्राप्त करते हैं, जहाँ विश्व चैंपियन के खिताब के लिये एक दावेदार का चयन किया जाता है।
- ❖ वर्ष 2025 का संस्करण उज्बेकिस्तान के समरकंद एक्सपो सेंटर में 4 से 15 सितंबर तक आयोजित किया गया।
 - 🌀 इसमें ओपन वर्ग में 116 खिलाड़ियों ने तथा महिला वर्ग में 56 खिलाड़ियों ने भाग लिया।
- ❖ इस प्रतियोगिता की कुल पुरस्कार राशि 8,55,000 अमेरिकी डॉलर थी, जिसमें ओपन वर्ग के लिये 6,25,000 अमेरिकी डॉलर और महिला वर्ग के लिये 2,30,000 अमेरिकी डॉलर निर्धारित थे।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्स



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



स्पीड स्केटिंग विश्व चैंपियनशिप में भारत का पहला स्वर्ण पदक

चर्चा में क्यों ?

आनंदकुमार वेलकुमार ने स्पीड स्केटिंग विश्व चैंपियनशिप 2025 में सीनियर पुरुष 1000 मीटर स्प्रिंट में स्वर्ण पदक जीतकर भारत के पहले विश्व चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया।

मुख्य बिंदु

- स्पीड स्केटिंग विश्व चैंपियनशिप 13 से 21 सितंबर, 2025 तक चीन के बेइदाईहे (Beidaihe) में आयोजित की जा रही है , जहाँ आनंदकुमार वेलकुमार ने 1:24.924 के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता।
- अतिरिक्त पदक: वेलकुमार ने 500 मीटर स्प्रिंट स्पर्धा में भी कांस्य पदक जीता, जो स्पीड स्केटिंग में भारत का पहला सीनियर विश्व चैंपियनशिप पदक था।
- जूनियर प्रतियोगिता में सफलता: इस चैंपियनशिप में जूनियर पुरुष 1000 मीटर स्प्रिंट में कृष शर्मा ने स्वर्ण पदक जीतकर भारत के शानदार प्रदर्शन में योगदान दिया।



स्पीड स्केटिंग विश्व चैंपियनशिप

- वर्ष 1891 से आईएसयू (ISU) स्पीड स्केटिंग विश्व चैंपियनशिप इस खेल की सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगिता रही है, जो एकल दूरी, ऑलराउंड एवं स्प्रिंट प्रारूपों के बीच बारी-बारी से आयोजित होती रही है।
- एकल दूरी प्रारूप (वर्ष 1996 में शुरू): यह प्रारूप ओलंपिक वर्ष से पहले और बाद के वर्षों में आयोजित होता है। इसमें खिलाड़ी 16 विश्व खिताबों के लिये प्रतिस्पर्धा करते हैं।
 - इसमें पुरुषों की 500 मीटर, 1000 मीटर, 1500 मीटर, 5000 मीटर और 10,000 मीटर, महिलाओं की 500 मीटर, 1000 मीटर, 1500 मीटर, 3000 मीटर तथा 5000 मीटर प्रतियोगिताएँ शामिल हैं, साथ ही मास स्टार्ट, टीम पर्स्यूट एवं टीम स्प्रिंट प्रतियोगिताएँ भी होती हैं।
- ऑलराउंड प्रारूप: यह स्पीड स्केटिंग परंपरा का एक आधार है, जिसमें पुरुष 1891 से और महिलाएँ 1936 से भाग ले रही हैं।
- स्प्रिंट प्रारूप (1970 से): इस चैंपियन प्रतियोगिता में गति और सटीकता का परीक्षण किया जाता है।
 - इसमें खिलाड़ी 500 मीटर और 1000 मीटर की दौड़ दो-दो बार करते हैं तथा उनके संयुक्त परिणाम के आधार पर चैंपियन घोषित किया जाता है।

दृष्टि आईएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



नोट :

विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025

चर्चा में क्यों ?

चैंपियन नीरज चोपड़ा को विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में पुरुषों की भाला फेंक प्रतियोगिता के फाइनल में वे आठवें स्थान पर रहे। जबकि उनके सहकर्मी सचिन यादव ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए चौथा स्थान प्राप्त किया।

मुख्य बिंदु

- पदक और परिणाम: स्वर्ण पदक त्रिनिदाद और टोबैगो के केशोर्न वाल्कोट (88.16 मीटर) ने जीता, जबकि ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स ने रजत (87.38 मीटर) तथा अमेरिका के कर्टिस थॉम्पसन ने कांस्य (86.67 मीटर) जीता।
- नीरज चोपड़ा का संघर्ष: वर्षों से अपनी निरंतरता के बावजूद, वह 85 मीटर का आँकड़ा पार करने में असफल रहे और 84.03 मीटर के थ्रो के साथ वे आठवें स्थान पर रहे।
- यह वर्ष 2018 के बाद से उनकी पहली प्रतियोगिता है, जहाँ वह शीर्ष तीन से बाहर रहे। जबकि टोक्यो ओलंपिक 2021 में ऐतिहासिक जीत के बाद उनका लगातार पोडियम प्रदर्शन रहा है।
- सचिन यादव का प्रदर्शन: उत्तर प्रदेश के खेकड़ा गाँव के रहने वाले सचिन यादव ने 86.27 मीटर की व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो फेंककर न केवल नीरज चोपड़ा को पीछे छोड़ा, बल्कि जूलियन वेबर और अरशद नदीम जैसे उल्लेखनीय प्रतियोगियों को भी पीछे छोड़ दिया।
- सचिन का यह प्रदर्शन उनकी क्षमता और स्थिर खेल शैली को दर्शाता है, जो उन्होंने एशियाई चैंपियनशिप 2023 में रजत पदक जीतने के बाद से लगातार प्रदर्शित की है।

विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025

- स्थान: विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 13 से 21 सितंबर, 2025 तक टोक्यो, जापान में आयोजित की जा रही है, जिसमें नौ दिनों तक प्रतिस्पर्धा होगी।
- आयोजन अवलोकन: यह विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप का 20वाँ संस्करण है, जिसमें लगभग 200 देशों के 2,000 से अधिक एथलीट भाग ले रहे हैं।
- कुल 49 प्रतियोगिताएँ होंगी, जिनमें 147 पदक हैं। पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिये 24 प्रतियोगिताएँ होंगी, साथ ही एक मिश्रित प्रतियोगिता भी शामिल है।

सरदार वल्लभभाई पटेल का AI संचालित होलोबॉक्स

चर्चा में क्यों ?

दिल्ली में स्थित प्रधानमंत्री संग्रहालय, जो अपनी तरह का विश्व का एकमात्र संग्रहालय है, ने 17 सितम्बर, 2025 को सरदार वल्लभभाई पटेल के AI संचालित होलोबॉक्स का अनावरण किया।

मुख्य बिंदु

- परिचय: दर्शकों ने AI-संचालित होलोबॉक्स 3D अवतार के साथ संवाद किया, जिसमें उन्होंने सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन और भारत के इतिहास में उनके महत्वपूर्ण योगदान से संबंधित प्रश्न पूछे।

दृष्टि आईएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



- यह अवतार उनके स्वर में उत्तर देता है, जो उनके भाषणों, पुस्तकों और अभिलेखीय स्रोतों पर आधारित होते हैं, जिससे एक प्रामाणिक शैक्षिक अनुभव प्राप्त होता है।
- अवतार द्वारा दिये गए उत्तर उनकी विचारधारा और जीवन की प्रमुख घटनाओं को प्रतिबिंबित करते हैं।

उद्देश्य:

- इस पहल का उद्देश्य ऐतिहासिक जुड़ाव में प्रौद्योगिकी का एकीकरण कर वैश्विक मानक स्थापित करना है। इसका विशेष लक्ष्य युवा पीढ़ी को आकर्षित करना और इतिहास को अधिक सुगम व रोचक बनाना है।

भविष्य की योजनाएँ:

- पटेल के AI अवतार की सफलता के पश्चात, प्रधानमंत्री संग्रहालय डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के लिये एक पूर्णाकृति होलोबॉक्स शुरू करने की योजना बना रहा है।
- इससे भारत के महान नेताओं के ज्ञान को भावी पीढ़ियों तक पहुँचाने की प्रतिबद्धता और भी सशक्त होगी।

ऐतिहासिक महत्त्व

- 17 सितंबर का दोहरा महत्त्व है; एक ओर यह 1948 में ऑपरेशन पोलो की सफलता का प्रतीक है, जब सरदार पटेल के नेतृत्व में हैदराबाद का भारत में विलय हुआ। दूसरी ओर, यही दिन वर्ष 1950 में जन्मे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्म दिवस भी है, जिनकी ‘एक भारत, श्रेष्ठ भारत’ की दृष्टि, पटेल की राष्ट्रीय एकता की विरासत को साकार करती है।

सरदार वल्लभ भाई पटेल

73वीं पुण्यतिथि पर नमन

प्रमुख योगदान

राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन के साथ खेड़ा सत्याग्रह (1918) और बारदोली सत्याग्रह (1928) में महत्वपूर्ण भूमिका

भारतीय संविधान सभा की विभिन्न समितियों का नेतृत्व किया

संक्षिप्त परिचय

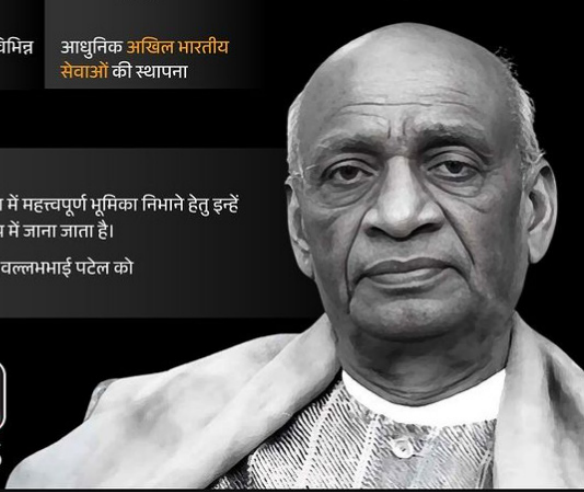
31 अक्टूबर, 1875
को नडियाद, गुजरात में जन्म

भारत के पहले गृहमंत्री और उप-प्रधानमंत्री

15 दिसंबर, 1950
को बंबई में मृत्यु

अन्य तथ्य

- भारतीय संघ के एकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने हेतु इन्हें भारत के लौह पुरुष के रूप में जाना जाता है।
- बारदोली की महिलाओं ने वल्लभभाई पटेल को सरदार की उपाधि दी।






Drishti IAS

दृष्टि आईएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्स



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



नोट:

- AI-संचालित होलोबॉक्स एक अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी है, जो **कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI)** को होलोग्राफिक डिस्प्ले के साथ एकीकृत करती है।
- यह इंटरैक्टिव और सजीव 3D छवियाँ व अवतार तैयार करती है, जिनसे दर्शक स्वाभाविक रूप से वॉयस कमांड, हावभाव और भावनात्मक संकेतों के माध्यम से संवाद कर सकते हैं।

भारत-AI इंपैक्ट समिट 2026**चर्चा में क्यों ?**

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) ने **भारत-AI इंपैक्ट समिट 2026** की पहल तथा लोगो (Logo) का अनावरण किया है, जिसका आयोजन भारत में किया जाएगा।

मुख्य बिंदु**समिट के बारे में:**

- यह समिट 19 से 20 फरवरी 2026 को **भारत मंडपम, नई दिल्ली** में आयोजित किया जाएगा और इसमें वैश्विक नेता, नीति-निर्माता, शोधकर्ता तथा नवप्रवर्तक शामिल होंगे।
- यह समिट, जो किसी **ग्लोबल साउथ देश** द्वारा आयोजित किया जाने वाला पहला समिट है, मानव, ग्रह और प्रगति पर केंद्रित होगा।
- AI की परिवर्तनकारी क्षमता पर ध्यान देते हुए, समिट में **सात विषयगत चक्रों** के माध्यम से वैश्विक AI चुनौतियों और अवसरों पर चर्चा की जाएगी।

आधिकारिक लोगो और मुख्य प्रतीक:

- समिट का आधिकारिक लोगो **अशोक चक्र** से प्रेरित है, जो भारत के **नैतिक शासन और संवैधानिक मूल्यों** का प्रतीक है।
- इस मुख्य प्रतीक से **न्यूरल नेटवर्क की किरणें** बाहर की ओर फैलती हैं, जो उद्योगों, भाषाओं और क्षेत्रों में AI के परिवर्तनकारी प्रभाव का प्रतिनिधित्व करती हैं, जो विभाजन को पाटने तथा समावेशी प्रगति को बढ़ावा देने में मदद करती हैं।

प्रमुख पहलें:

- AI पिच फेस्ट (UDAAN):**
 - यह वैश्विक AI **स्टार्टअप्स** को प्रदर्शित करने के लिये एक मंच है, जिसमें भारत के टियर 2 और टियर 3 शहरों के उद्यमों पर विशेष जोर दिया जाएगा, जिनमें महिलाओं तथा दिव्यांग परिवर्तनकर्ताओं द्वारा संचालित उद्यम भी शामिल होंगे।
- IndiaAI डेटा और AI लैब्स:**
 - 30 IndiaAI डेटा और AI लैब्स लॉन्च की जा चुकी हैं, जो 570-लैब नेटवर्क के प्रारंभिक चरण का प्रतीक हैं।
 - ये लैब्स **प्यूचर स्किल्स पहल** के अंतर्गत आधारभूत **AI और डेटा प्रशिक्षण** प्रदान करेंगी, विशेष रूप से टियर 2 तथा टियर 3 शहरों में AI एवं डेटा एनोटेशन में **कौशल विकास** पर केंद्रित होंगी।

दृष्टि आईएसएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट
अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप

**नोट:**

● IndiaAI फेलोशिप प्रोग्राम:

- इस प्रोग्राम का विस्तार कर 13,500 विद्यार्थियों को समर्थन देने का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें इंजीनियरिंग, चिकित्सा, कानून, वाणिज्य और लिबरल आर्ट्स जैसे विविध विषयों के छात्रों पर विशेष जोर दिया गया है।

मोहनलाल को दादा साहब फाल्के पुरस्कार

चर्चा में क्यों ?

23 सितंबर 2025 को केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा मलयालम अभिनेता मोहनलाल को 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह के दौरान वर्ष 2023 का प्रतिष्ठित दादा साहब फाल्के पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

मुख्य बिंदु

◆ मोहनलाल के बारे में:



- 21 मई 1960 को पथानमथिट्टा में जन्मे मोहनलाल ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत थिरानोट्टम (1978) से की तथा मंजिल विरिंजा पुक्कल (1980) में खलनायक के रूप में पदार्पण किया।
- वर्ष 1986 में, राजाविते मकान में उनकी भूमिका ने उन्हें मलयालम सिनेमा के पहले आधुनिक सुपरस्टार के रूप में स्थापित कर दिया।
- 45 से अधिक वर्षों और 400 से अधिक फिल्मों के साथ, मोहनलाल मॉलीवुड (Mollywood) में एक प्रमुख व्यक्ति बन गए हैं, जिन्होंने थनमथरा, इरुवर, दृश्यम और लूसिफ़र जैसी उल्लेखनीय फिल्मों में अभिनय किया है।
- उन्हे वर्ष 1991 में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के लिये राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला और वर्ष 2001 में पद्म श्री तथा वर्ष 2019 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया।

◆ दादा साहब फाल्के पुरस्कार:

- यह देश का सर्वोच्च फिल्म सम्मान है जिसकी शुरुआत वर्ष 1969 में हुई थी, जो “भारतीय सिनेमा के विकास और वृद्धि में उत्कृष्ट योगदान” के लिये दिया जाता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



नोट :

- यह पुरस्कार पहली बार “भारतीय सिनेमा की प्रथम महिला” देविका रानी को प्रदान किया गया था।
- इस पुरस्कार में एक स्वर्ण कमल, 10 लाख रुपये का नकद पुरस्कार, एक प्रमाण-पत्र, एक रेशम रोल और एक शॉल शामिल है।
- इसे **भारत के राष्ट्रपति** द्वारा दिया जाता है।
- ❖ **धुंडीराज गोविंद फाल्के:**
 - वह एक भारतीय निर्माता, निर्देशक और पटकथा लेखक थे, जिन्होंने **भारत की पहली फीचर फिल्म राजा हरिश्चंद्र (1913)** का निर्देशन किया था।
 - उन्हें “भारतीय सिनेमा के जनक” के रूप में जाना जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस 2025

चर्चा में क्यों ?

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त निकाय, **भारतीय सांकेतिक भाषा अनुसंधान तथा प्रशिक्षण केंद्र (ISLRTC)** ने 23 सितंबर, 2025 को “सांकेतिक भाषा दिवस” मनाया।

- ❖ साथ ही **शिक्षा मंत्रालय** ने **केंद्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान (CIET)** और **NCERT** के सहयोग से 15 से 19 सितंबर, 2025 तक भारतीय सांकेतिक भाषा पर विशेष पाँच-दिवसीय लाइव कार्यक्रम भी आयोजित किया।

मुख्य बिंदु

- ❖ **दिवस के बारे में:**
 - **संयुक्त राष्ट्र महासभा** ने बधिर लोगों के **मानवाधिकारों** को साकार करने में सांकेतिक भाषा के महत्त्व को रेखांकित करने के लिये 23 सितंबर को **अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस** के रूप में घोषित किया।
 - यह तिथि वर्ष 1951 में **विश्व बधिर महासंघ (WFD)** की स्थापना का प्रतीक है, जो विश्व स्तर पर बधिर व्यक्तियों के अधिकारों और उनकी मान्यता के लिये कार्य करता है।
 - **दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों पर अभिसमय**, जिसे संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2006 में अपनाया था, सांकेतिक भाषाओं को बोली जाने वाली भाषाओं के बराबर मान्यता देता है तथा सदस्य देशों को बधिर समुदाय की भाषायी पहचान को बढ़ावा देने के लिये बाध्य करता है।
 - भारत वर्ष 2007 में इस अभिसमय का अनुसमर्थन करने वाले प्रथम देशों में से एक था।
- **थीम 2025:** इस वर्ष की थीम “सांकेतिक भाषा के अधिकारों के बिना मानवाधिकार नहीं” है, जो बधिर व्यक्तियों के लिये गरिमा और सम्मान सुनिश्चित करने के साधन के रूप में सांकेतिक भाषा की मान्यता बढ़ाने का आह्वान करती है।
- **8वीं राष्ट्रीय भारतीय सांकेतिक भाषा प्रतियोगिता:** आयोजन के अंतर्गत आठवीं **राष्ट्रीय भारतीय सांकेतिक भाषा प्रतियोगिता** के विजेताओं को सम्मानित किया गया। इसमें देश के विद्यालयों से 13 श्रेणियों में प्रतिभागियों ने भाग लिया और बधिर समुदाय की रचनात्मकता तथा प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्स

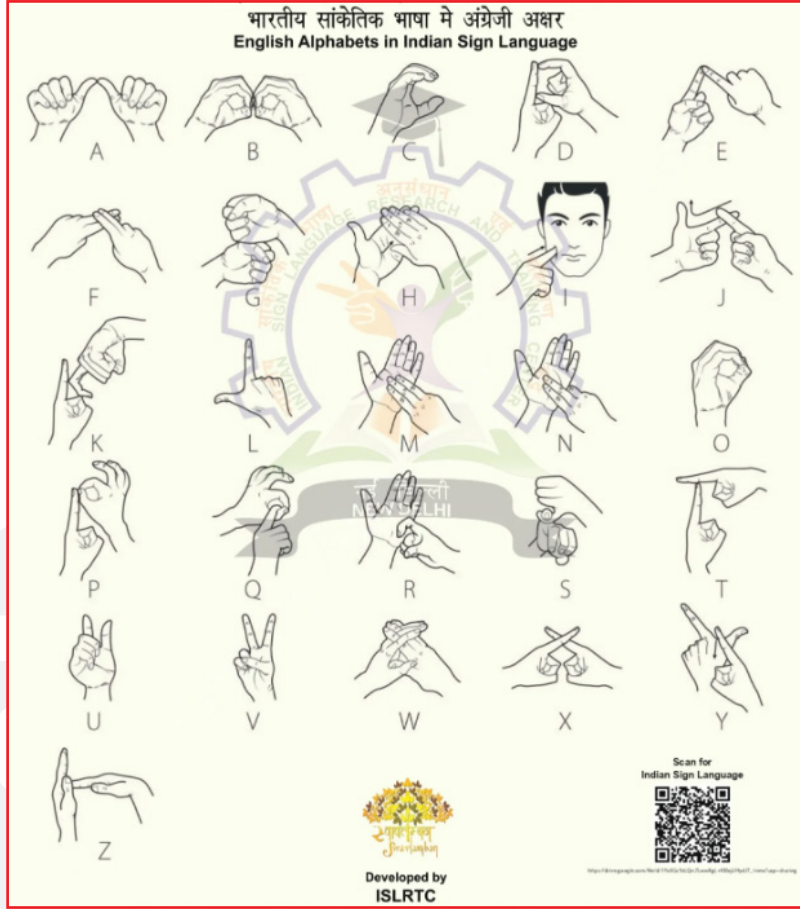


IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप





विश्व खाद्य भारत 2025

चर्चा में क्यों ?

प्रधानमंत्री 25 सितंबर, 2025 को नई दिल्ली में **विश्व खाद्य भारत** के चौथे संस्करण का उद्घाटन करेंगे, जिसमें 90 से अधिक देश, 2,000 से अधिक प्रदर्शक और हजारों हितधारक भाग लेंगे।

मुख्य बिंदु

विश्व खाद्य भारत 2025 के बारे में

♦ आयोजन:

- खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय द्वारा 25 से 28 सितंबर 2025 तक आयोजित **विश्व खाद्य भारत 2025**, खाद्य प्रसंस्करण और आपूर्ति के लिये भारत की क्षमता को '**वैश्विक खाद्य केंद्र**' के रूप में उजागर करेगा।

दृष्टि आईएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स

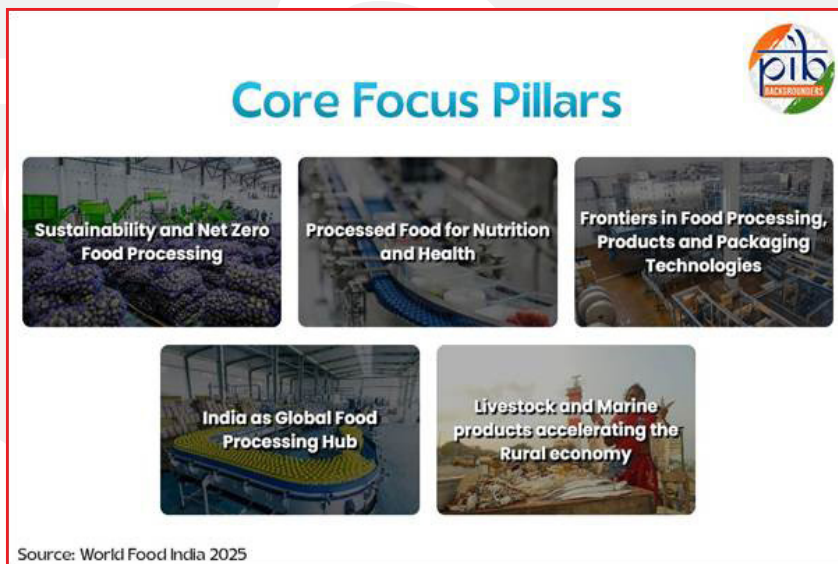


दृष्टि लर्निंग
ऐप



नोट :

- भारत **दूध, प्याज और दाल** का सबसे बड़ा उत्पादक है तथा चावल, गेहूँ, गन्ना, चाय, फल, सब्जियाँ एवं अंडे का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है।
- पिछले दशक में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में 7.33 बिलियन अमेरिकी डॉलर का FDI इक्विटी निवेश आया है।
- ❖ साझेदार एवं फोकस देश:
 - न्यूज़ीलैंड और सऊदी अरब साझेदार देशों के रूप में भाग लेंगे, जबकि जापान, UAE, वियतनाम तथा रूस फोकस देशों के रूप में भाग लेंगे।
- ❖ अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम:
 - **भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (FSSAI)** द्वारा तीसरा वैश्विक खाद्य नियामक शिखर सम्मेलन: वैश्विक नियामकों को खाद्य सुरक्षा मानकों के सामंजस्य पर विचार-विमर्श करने और अंतर्राष्ट्रीय नियामक सहयोग को मजबूत करने के लिये एक विशिष्ट मंच प्रदान करना।
 - **भारतीय समुद्री खाद्य निर्यातक संघ (SEAI)** द्वारा 24वाँ भारत अंतर्राष्ट्रीय समुद्री खाद्य शो (IISS): भारत की बढ़ती समुद्री खाद्य निर्यात क्षमता और वैश्विक बाजार संबंधों पर ध्यान केंद्रित करना।
- ❖ मुख्य फोकस स्तंभ:



विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप (WPAC) 2025

चर्चा में क्यों ?

नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में **विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप (WPAC) 2025** का उद्घाटन किया गया, जहाँ **प्रधानमंत्री** ने पैरा एथलीटों की बाधाओं को तोड़ने और नए मानदंड स्थापित करने के लिये सराहना की तथा भारत की खेल-केंद्रित एवं समावेशी पहचान को रेखांकित किया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



नोट :

मुख्य बिंदु

- परिचय: यह चैंपियनशिप 27 सितंबर से 5 अक्तूबर 2025 तक आयोजित की जाएगी, जिसमें 104 देशों के 2,200 एथलीट्स भाग ले रहे हैं, जो भारतीय भूमि पर अब तक आयोजित सबसे बड़ा पैरा एथलीट आयोजन होगा।
- भारत की उपलब्धि: इस आयोजन में भारत का अब तक का सबसे बड़ा 74 एथलीटों का दल भी शामिल होगा।
 - भारत पहली बार विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेज़बानी करेगा, जो कतर, संयुक्त अरब अमीरात तथा जापान के बाद ऐसा करने वाला चौथा एशियाई देश होगा।
- अवसंरचना: यह आयोजन जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में नवनिर्मित मोंडो ट्रैक पर आयोजित किया जा रहा है, जिसका उपयोग पहले पेरिस पैरालिंपिक 2024 में किया गया था और जिसे राष्ट्रीय खेल दिवस पर उद्घाटित किया गया।
 - मुख्य प्रतियोगिता ट्रैक के साथ-साथ, एक मोंडो वार्म-अप ट्रैक और एक बहु-विशिष्ट जिम्नेजियम का भी उद्घाटन किया गया, जो एक साथ 200 एथलीटों को प्रशिक्षित करने में सक्षम है तथा विश्व स्तरीय खेल अवसंरचना के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।
- पूर्व उपलब्धि: भारत की पैरा खेलों में उल्लेखनीय प्रगति स्पष्ट है। भारत ने जापान के कोबे में आयोजित विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप, 2024 में अब तक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, जिसमें छह स्वर्ण, पाँच रजत और छह कांस्य सहित 17 पदकों के साथ छठा स्थान प्राप्त किया।
- महत्त्व: यह आयोजन भारत की दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है, जिसमें प्रमुख वैश्विक खेल आयोजनों की मेज़बानी शामिल है, जिसमें वर्ष 2030 में राष्ट्रमंडल खेलों के लिये पहले से ही योजनाएँ चल रही हैं और वर्ष 2036 में ओलंपिक खेलों की मेज़बानी करने की आकांक्षा है।

छठा नदी उत्सव

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल ने छठे नदी उत्सव का उद्घाटन किया तथा नदियों के संरक्षण हेतु नागरिकों की सामूहिक जिम्मेदारी पर जोर दिया।

- उन्होंने नमामि गंगे परियोजना के महत्त्व को रेखांकित किया, जो नदियों की स्वच्छता बनाए रखने, अतिक्रमण रोकने और धार्मिक तथा सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण पवित्र नदियों के संरक्षण पर केंद्रित है।

मुख्य बिंदु

- उद्देश्य: संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (IGNCA) द्वारा आयोजित नदी उत्सव में नदियों के महत्त्व को आवश्यक जीवनरेखा और सांस्कृतिक जलाशय के रूप में उजागर किया गया।
 - उत्सव में नदियों के पर्यावरणीय, सांस्कृतिक और कलात्मक आयामों को उजागर किया गया, जिससे उनकी महत्ता को गहराई से समझने का अवसर मिला।
- कार्यक्रम की अवधि: यह कार्यक्रम 25 से 27 सितंबर 2025 तक दिल्ली में आयोजित किया गया, जिसमें सेमिनार, फिल्म स्क्रीनिंग और प्रदर्शनियाँ शामिल थीं।

दृष्टि आईएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



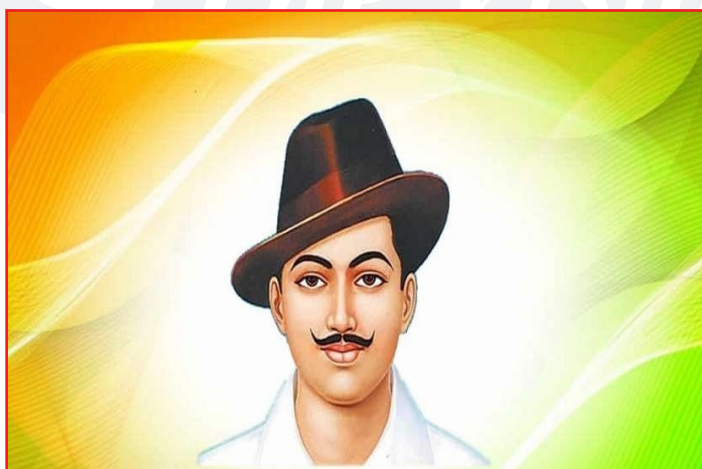
- **रिवरस्केप डायनेमिक्स:** परिवर्तन और निरंतरता शीर्षक वाले सेमिनार में पारंपरिक नदी ज्ञान, नदी देवताओं तथा लोक कथाओं एवं नदियों की कला, शिल्प व विज्ञान में भूमिका पर चर्चा की गई।
- ◆ **मेरी नदी की कहानी:** इस उत्सव में नदियों से जुड़े पर्यावरणीय मुद्दों और मानव संबंधों पर केंद्रित डॉक्यूमेंट्री था फिल्में प्रदर्शित की गई।
- प्रदर्शित फिल्मों में गोताखोर: लुप्त होते गोताखोर समुदाय, भारत का नदी पुरुष, अर्थ गंगा, मोलाई - जंगल के पीछे का आदमी, कावेरी - जीवन की नदी और लद्दाख -सिंधु नदी के किनारे जीवन शामिल हैं।



भगत सिंह की जयंती

चर्चा में क्यों ?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने क्रांतिकारी भगत सिंह को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की, उनके साहस को महान प्रेरणा का स्रोत बताते हुए सराहा।



दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



इष्टि लर्निंग
ऐप



नोट :

प्रमुख बिंदु

- ❖ **जन्म:** भगत सिंह का जन्म 28 सितंबर, 1907 को बंगा, पंजाब, ब्रिटिश भारत (वर्तमान पाकिस्तान) में हुआ था। वह एक सिख परिवार से थे, जो उपनिवेश-विरोधी गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल थे; उनके पिता, किशन सिंह और चाचा, अजीत सिंह, प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी थे।
- ❖ **प्रारंभिक जीवन:** 12 वर्ष की आयु में **जलियाँवाला बाग हत्याकांड** देखा, जिसने उनमें देशभक्ति की गहरी भावना और भारत की स्वतंत्रता के लिये संघर्ष करने का संकल्प उत्पन्न किया।
- ❖ **शिक्षा:** **लाला लाजपत राय** द्वारा स्थापित नेशनल कॉलेज, लाहौर में दाखिला लिया, जिसने **स्वदेशी आंदोलन** पर जोर दिया और क्रांतिकारी विचारों के लिये एक मंच प्रदान किया।
- ❖ **क्रांतिकारी संगठन:** भगत सिंह वर्ष 1924 में **हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (HRA)** के सदस्य बने, जिसे बाद में वर्ष 1928 में हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (HSRA) नाम दिया गया।
 - नौजवान भारत सभा की स्थापना भगत सिंह ने वर्ष 1926 में की थी, जिसका उद्देश्य स्वतंत्रता संग्राम के लिये युवाओं को संगठित करना था।
 - ❖ **प्रमुख कार्य:** पुलिस की बर्बरता के कारण लाला लाजपत राय की मृत्यु के प्रतिशोध के रूप में वर्ष 1928 में पुलिस अधिकारी जे.पी. सॉन्डर्स की हत्या (लाहौर षडयंत्र मामले) में शामिल हुए।
 - 18 अप्रैल, 1929 को बी.के. दत्त के साथ मिलकर दमनकारी ब्रिटिश कानूनों के विरोध में **केंद्रीय विधानसभा** में बम फेंका।
 - ❖ **गिरफ्तारी और मुकदमा:** वर्ष 1929 में बम कांड के लिये गिरफ्तार किये गए और बाद में **लाहौर षडयंत्र मामले** में हत्या का आरोप लगाया गया। उन पर मुकदमा चलाया गया, दोषी ठहराया गया और मृत्युदंड की सजा सुनाई गई।
 - 23 मार्च, 1931 को लाहौर में साथी क्रांतिकारी सुखदेव और राजगुरु के साथ फाँसी दी गई। भगत सिंह को स्नेहपूर्वक शाहिद-ए-आज़म के नाम से जाना जाता है।
 - ❖ **साहित्यिक योगदान:** उन्होंने महत्वपूर्ण रचनाएँ लिखीं, जिनमें **व्हाय आई एम एन एथीस्ट (मैं नास्तिक क्यों हूँ)**, **द जेल नोटबुक एंड अदर राइटिंग्स** और समाजवाद व क्रांति की वकालत करने वाले कई राजनीतिक घोषणापत्र शामिल हैं।
 - अपने प्रारंभिक कार्य विश्व प्रेम (Universal Love) में सिंह ने समानता के महत्व की घोषणा की। उन्होंने एक ऐसे विश्व की कल्पना की, जो भुखमरी और युद्ध से मुक्त हो तथा जहाँ मानवता जाति तथा राष्ट्रीयता की सीमाओं से परे हो।
 - ❖ **विचारधारा:** उन्होंने **मार्क्सवादी** और **समाजवादी** विचारधाराओं का समर्थन किया, तर्कशीलता, समानता तथा न्याय पर जोर दिया। उन्होंने **संगठित धर्म की आलोचना** की और इसे मानसिक तथा शारीरिक दासता का रूप माना।
 - ❖ **विरासत:** उन्हें राष्ट्रीय नायक और शहीद के रूप में सम्मानित किया जाता है; उनके जन्मदिवस तथा फाँसी की तिथि प्रतिवर्ष भारत के स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान को याद करने के लिये मनाई जाती है।
 - हर वर्ष 23 मार्च को भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु जैसे स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि देने के लिये **शहीद दिवस** के रूप में मनाया जाता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



भारत ने एशिया कप जीता

चर्चा में क्यों ?

भारत ने दुबई में एशिया कप 2025 के फाइनल में पाकिस्तान को 5 विकेट से हराकर अपना नौवां खिताब जीता और टूर्नामेंट में पाकिस्तान के खिलाफ तीनों मैच जीतकर अजेय रहा।



प्रमुख बिंदु

◆ एशिया कप रिकॉर्ड:

- भारत: 9 खिताब (किसी भी टीम द्वारा सबसे अधिक)
- श्रीलंका: 6 खिताब
- पाकिस्तान: 2 खिताब

◆ प्लेयर ऑफ द मैच: तिलक वर्मा

◆ प्लेयर ऑफ द सीरीज: अभिषेक शर्मा

◆ एशिया कप फॉर्मेट: यह ODI और T20I फॉर्मेट के बीच वैकल्पिक रूप से आयोजित होता है।

- यह भारत का एशिया कप 2023 (ODI फॉर्मेट) जीतने के बाद लगातार दूसरा खिताब है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



नोट :

शिरीष चंद्र मुर्मू नियुक्त हुए RBI के डिप्टी गवर्नर

चर्चा में क्यों ?

भारत सरकार ने शिरीष चंद्र मुर्मू को भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) के नए डिप्टी गवर्नर के रूप में नियुक्त किया है, जो 9 अक्टूबर, 2025 से प्रभावी होगा। वे एम. राजेश्वर राव का स्थान लेंगे।



प्रमुख बिंदु

- ❖ **परिचय:** शिरीष चंद्र मुर्मू, जो वर्तमान में RBI में कार्यकारी निदेशक के रूप में कार्यरत हैं, को **तीन वर्षों की अवधि** के लिये इस पद पर नियुक्त किया गया है।
 - ⦿ वे वर्ष 1991 में RBI में शामिल हुए और क्षेत्रीय निदेशक जैसे महत्वपूर्ण पदों के साथ-साथ बैंकिंग विनियमन, मुद्रा प्रबंधन तथा सूचना प्रौद्योगिकी में वरिष्ठ प्रबंधन पदों पर भी कार्य कर चुके हैं।
- ❖ **कार्य:** अपने नए पद पर वे **बैंकिंग विनियमन, वित्तीय बाज़ार और मौद्रिक नीति** सहित प्रमुख दायित्वों का निर्वहन करेंगे।
- ❖ **नियुक्ति:** उनकी नियुक्ति को कैबिनेट की नियुक्ति समिति (ACC) द्वारा अनुमोदित किया गया था।
 - ⦿ कैबिनेट की नियुक्ति समिति (ACC), जिसकी अध्यक्षता **प्रधानमंत्री** करते हैं और जिसमें **गृह मंत्री** सदस्य होते हैं, वरिष्ठ सरकारी नियुक्तियाँ करने के लिये जिम्मेदार है।
- ❖ **संरचना:** **RBI अधिनियम, 1934** के अनुसार, केंद्रीय बैंक में **चार डिप्टी गवर्नर** होने आवश्यक हैं: दो RBI के भीतर से, एक **वाणिज्यिक बैंकिंग क्षेत्र** से और एक **अर्थशास्त्री** जो मौद्रिक नीति विभाग का नेतृत्व करेगा।
 - ⦿ वर्तमान डिप्टी गवर्नर में शिरीष चंद्र मुर्मू के अलावा टी. रबी शंकर, स्वामीनाथन जे. और पूनम गुप्ता शामिल हैं।



दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2025



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप

